

राज

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 50.00 संख्या 2449

हेइशान



नागराज

सुपर कमाण्डो ध्रुव

ब्रह्मांड पर ऐसा खतरा पहले कभी नहीं मंडराया।

किसी ने आज तक ईश्वरीय नियमों को चुनौती देने का ऐसा साहस कभी नहीं किया था।

ब्रह्मांड की हर वस्तु एक ही समय काल में असंख्य भिन्न-भिन्न परिस्थितियों से गुजर सकती है। और ऐसी हर परिस्थिति के लिए एक अलग आयाम होता है। यानी असंख्य परिस्थितियों के लिए असंख्य आयाम।

यानी असंख्य नागराज! और उनके निशाने पर हैं- एक नागराज।

पर आयाम खुद भी किसी के निशाने पर हैं।

और वह है ब्लैक होल की विनाशकारी शक्ति।

ब्लैक होल-
जिसका जनक है-

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

हेइंन

राज कॉमिक्स है मेरा जूनून!

कथा
अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा

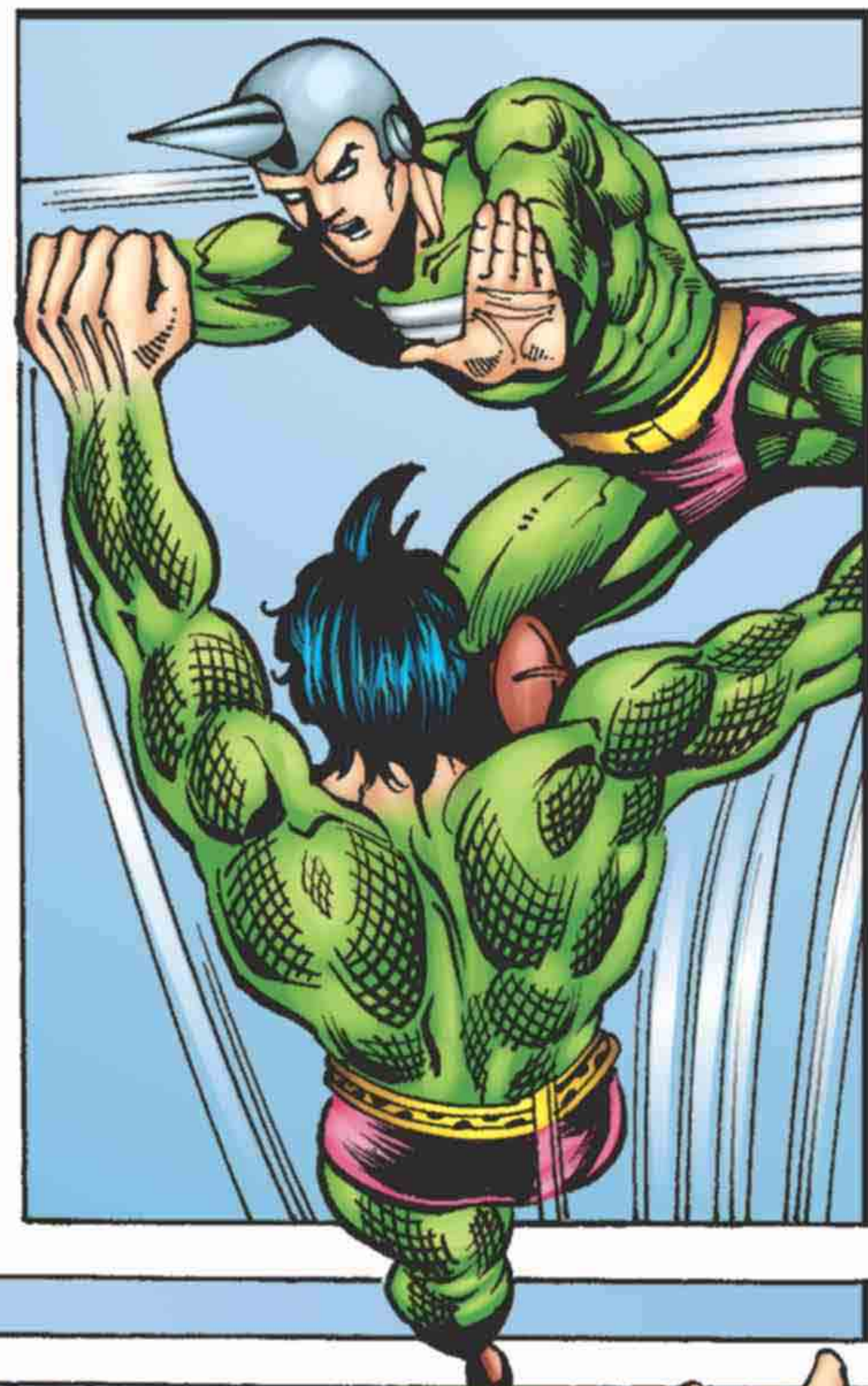
चित्रांकन
अनुपम सिन्हा

इंकिंग
सागर थापा,
गौरव श्रीवास्तव

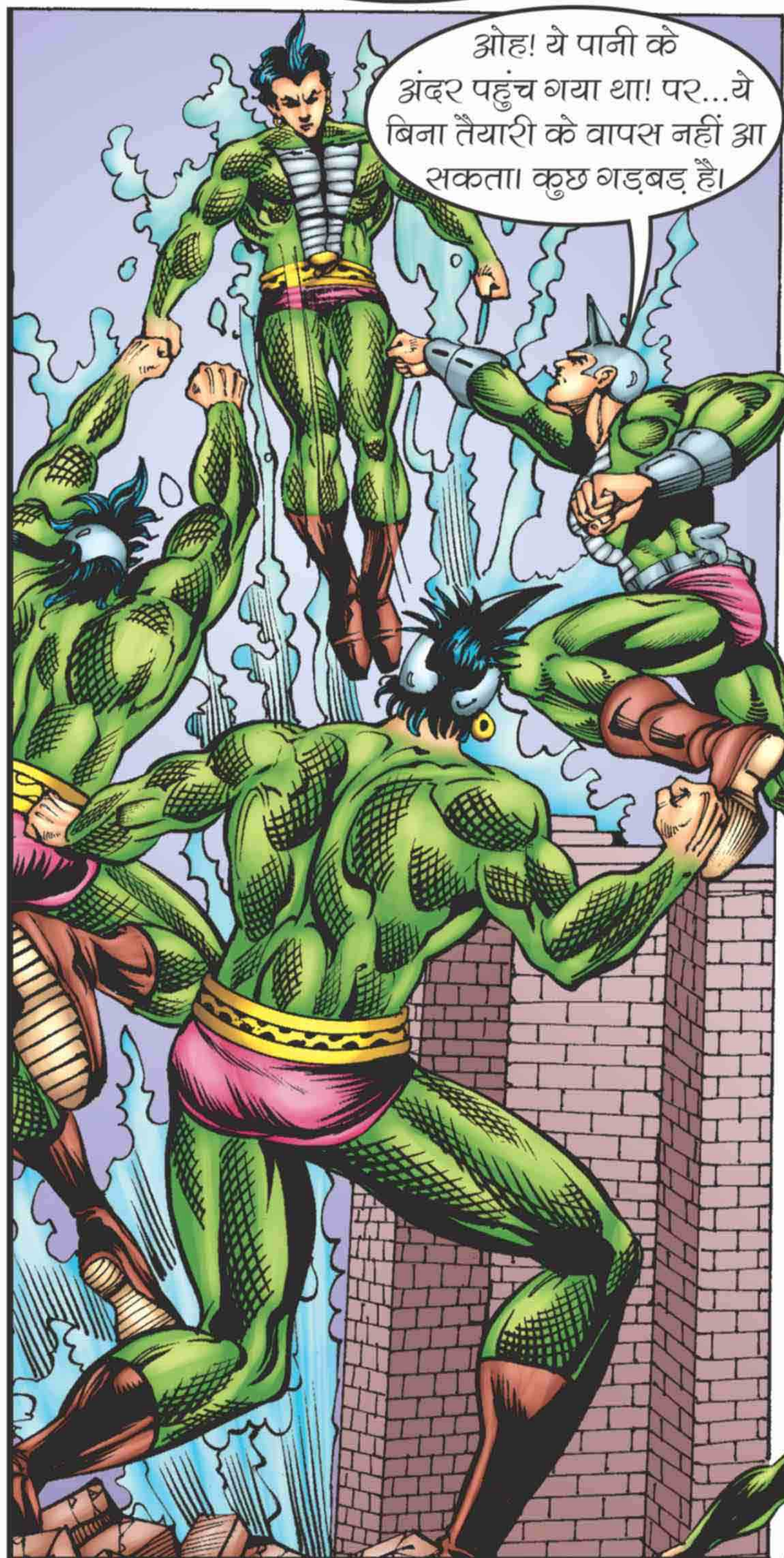
इफैक्ट्स
सुनील

कैलिग्राफी
हरीश शर्मा

सम्पादक
मनीष गुप्ता











ठीक है नाबू!
उम्मीद है कि मैं अपना
काम समय रहते पूरा
कर लूंगा।

और मुझे भी उम्मीद है
कि मैं भी नागराजों को चकमा
देने में कामयाब रहूंगा! चाहे कुछ
समय के लिए ही सही!



अरे वाह!
सुनो दोस्तों, इन
कठोर दीवारों पर
अपनी ऊर्जा व्यर्थ
मत करो!

इनके
बीच में से
रास्ता है।



कमाल है। हर दीवार
पारदर्शी होने के कारण
ये रास्ता नजर ही नहीं
आ रहा था।



अब हमें बाहर
निकलने में देर नहीं
लगेगी।



और
उस दुष्ट
का सिर तोड़ने
में भी जिसने
हमको यहां पर
पहुंचाया है।



धूमो, धूमो! ये तो
भूलभुलैया जाल है। धूम फिर कर
फिर वहीं पर आ पहुंचोगे।



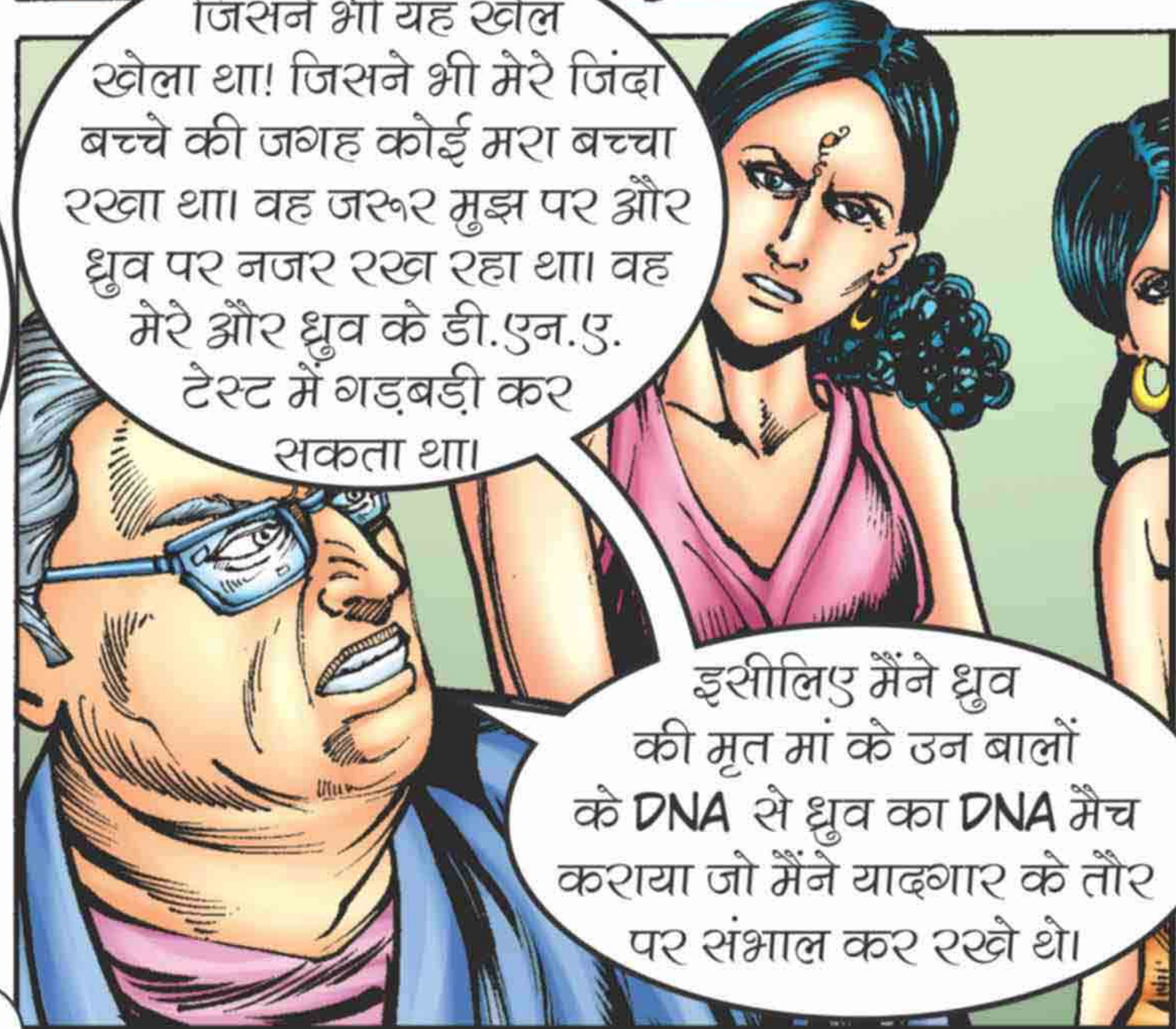
इस उलझती गुत्थी का
हल यहां पर था।

तुमको ये
सारी बातें जिसने
बताईं, वह हमारा
तुम्हारा सभी का
दुश्मन है ध्रुव! और
तुम उसकी बात
का भरोसा कर
रहे हो।

बिल्कुल नहीं
कर रहा पापा और आप भी
मत कीजिए। बस...



बस यही बात आप
मेरे सिर पर हाथ रख
कर कह दीजिए!

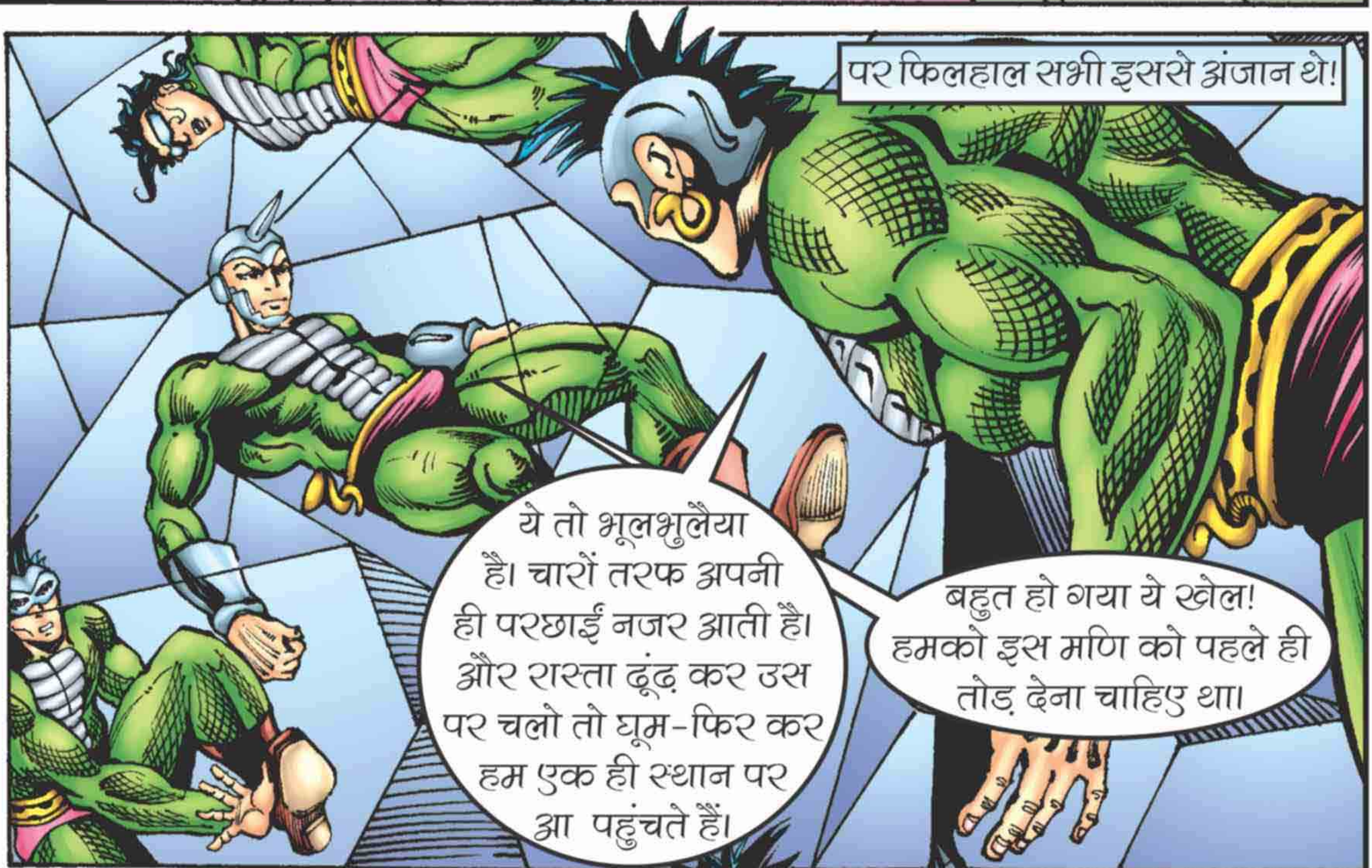


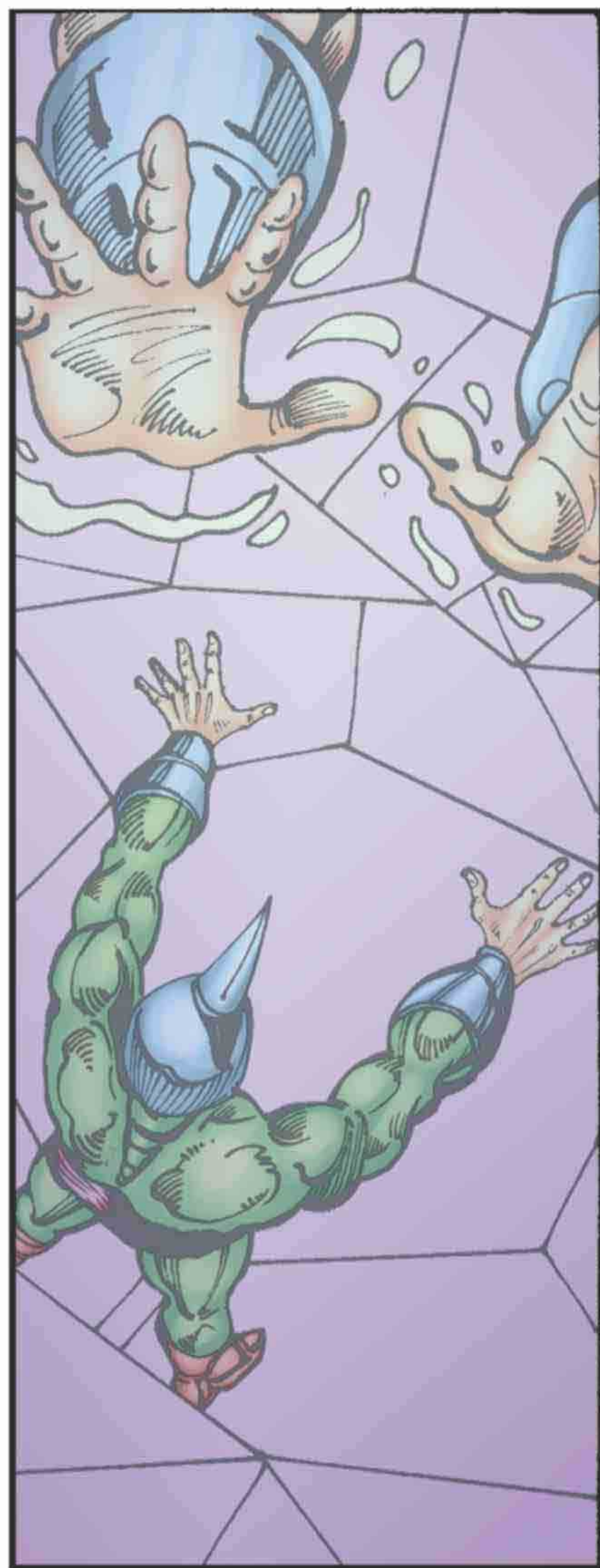






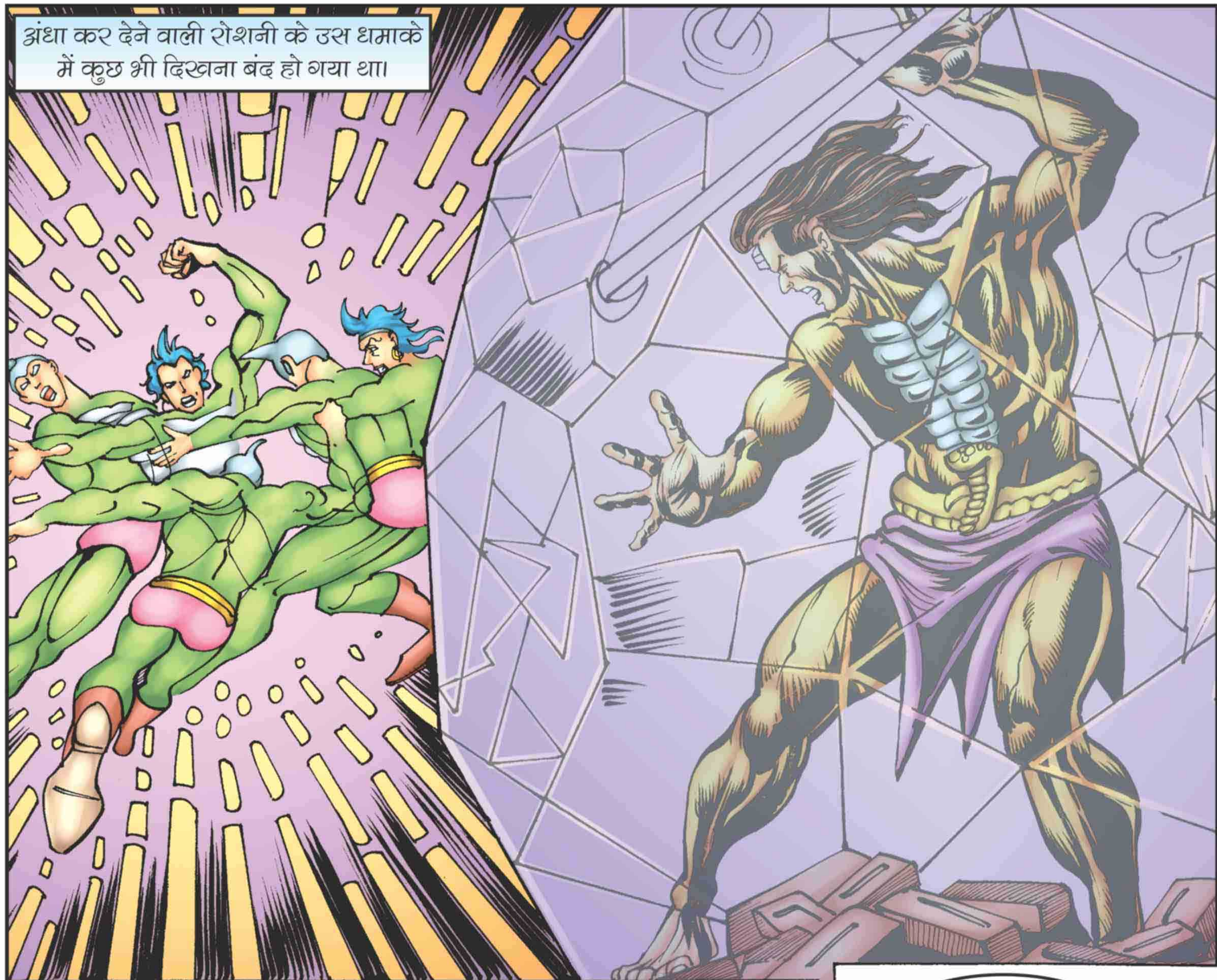








अंधा कर देने वाली रोशनी के उस धमाके में कुछ भी दिखना बंद हो गया था।



और जब दिखा तो देखने के लिए वहां पर कुछ था ही नहीं।

ये क्या था? ऐसा लगा जैसे कि आयामों के बीच में शॉर्ट सर्किट हुआ है।

अगर ऐसा हुआ तो न जाने क्या होगा। हर वस्तु परमाणु से बनी है। और अगर परमाणु ही अपना कंपन बदल देंगे तो हम सब मिट जाएंगे।

एक पल में।



फिलहाल तो मिटने की नहीं बनने की बारी लगती है।

क्या मतलब?

स्क्रीन पर देखिए, सुप्रीम मैग्निम!





Amaan.cooldude18

जिसके सामने आते ही गोलियां अपना रास्ता बदल देती थीं।
जिसने बनाए डोगा जैसे लक्ष्य बेधी



आज एक शैतान की बंदूक
से चली गोली का लक्ष्य
बन गया है वही...

लक्ष्य पुरुष

राज कॉमिक्स में डोगा सीरीज की अचूक कॉमिक

Amaan.cooldude18

सदियों पुराना एक आदेश जिसने रखी
विश्व आतंकवाद की नींव!



World Terrorism

राजा
रजत वर्ष

आतंकवाद
राजा

Am-Suti
Nagendra

ऑर्डर ऑफ बेबल

ADVENTURE IN GERMANY



और फिर शिकार पर झपट पड़े!



हे कालजयी! ये तूने क्या किया शीतू? अब तो ये और तेजी से सब कुछ निगल रहा है। तूने इसको गति दे दी है।



अब हम नहीं बचेंगे। इस महाशक्ति के सामने हमारी सारी शक्तियां बेकार हैं। और इस शक्ति को कोई...

...रोक भी नहीं सकता है।

मैं जरा जल्दी बोल गया! किसने रोका ब्लैक होल का बढ़ाव?

दादा वेदाचार्य!!

हां सौडांगी! अगर ये कालछिद्र ब्रह्मांड की समस्त शक्तियों का विनाशक है तो तिलिस्म समस्त शक्तियों का सार है।

दादाजी! ये हमें पीछे धकेल रहा है।

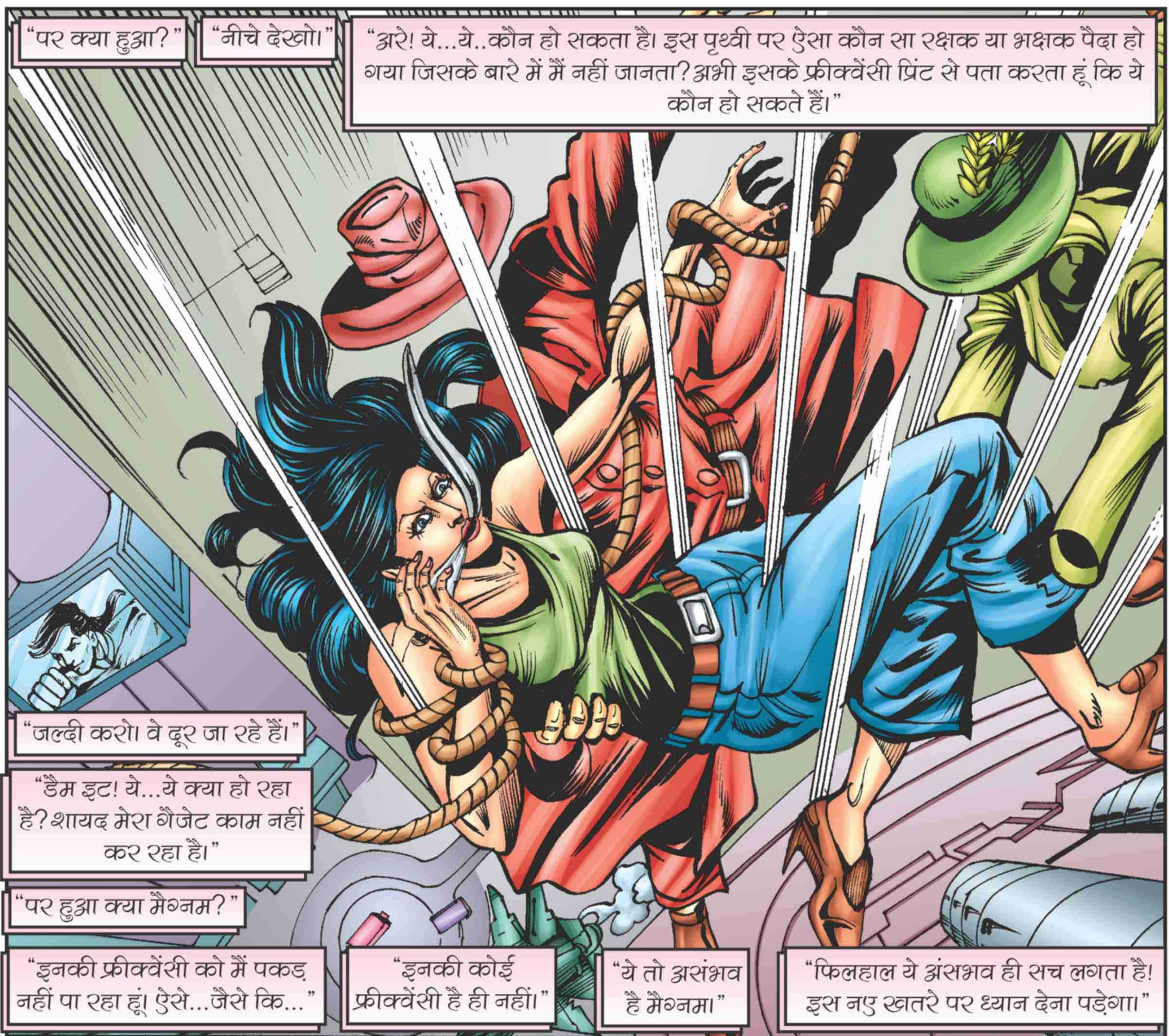
इसने काफी गति हासिल कर ली है। इसके बढ़ाव को शून्य करने में समय लगेगा।

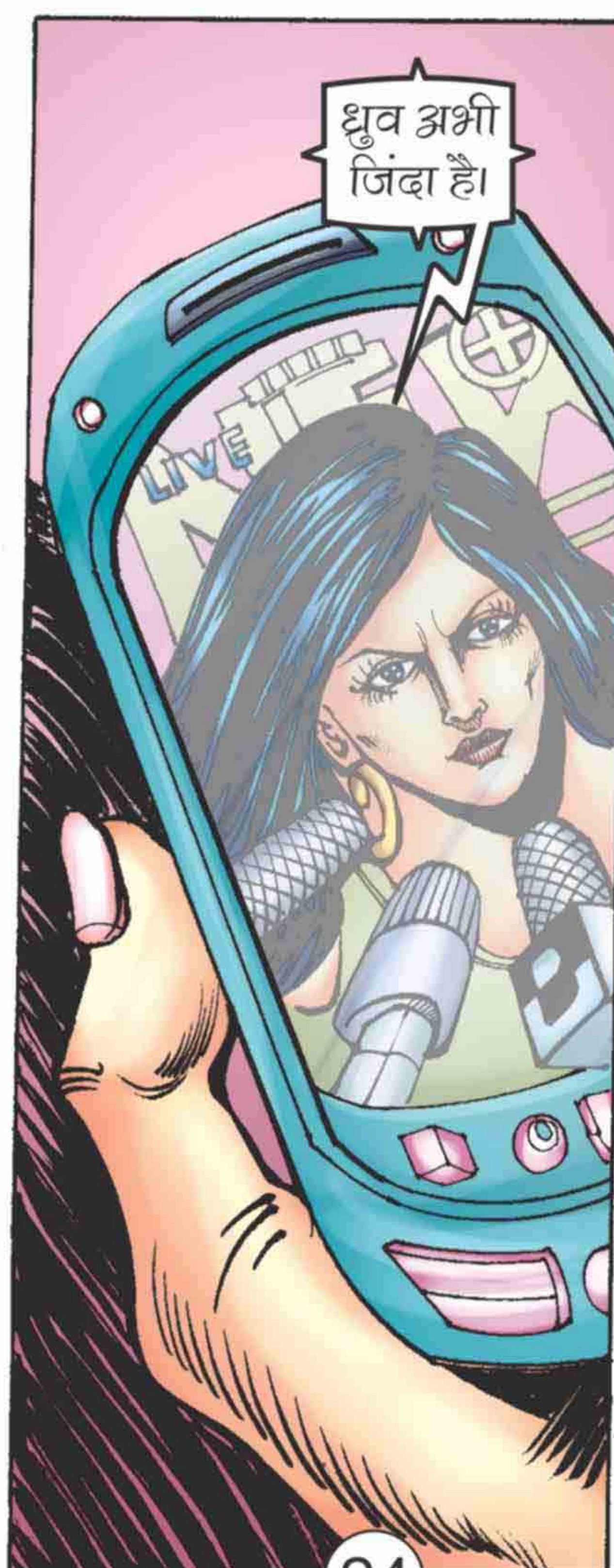
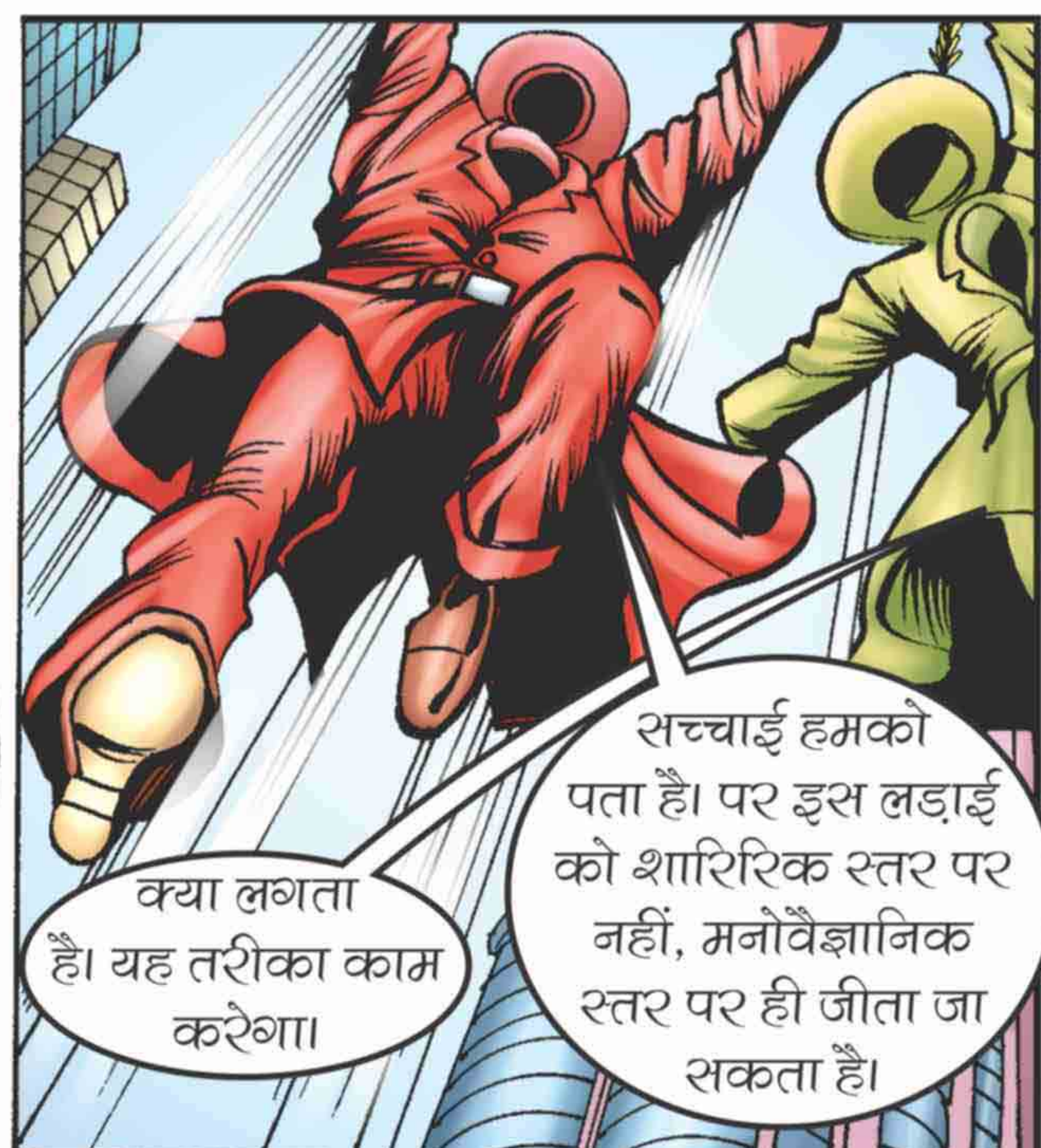


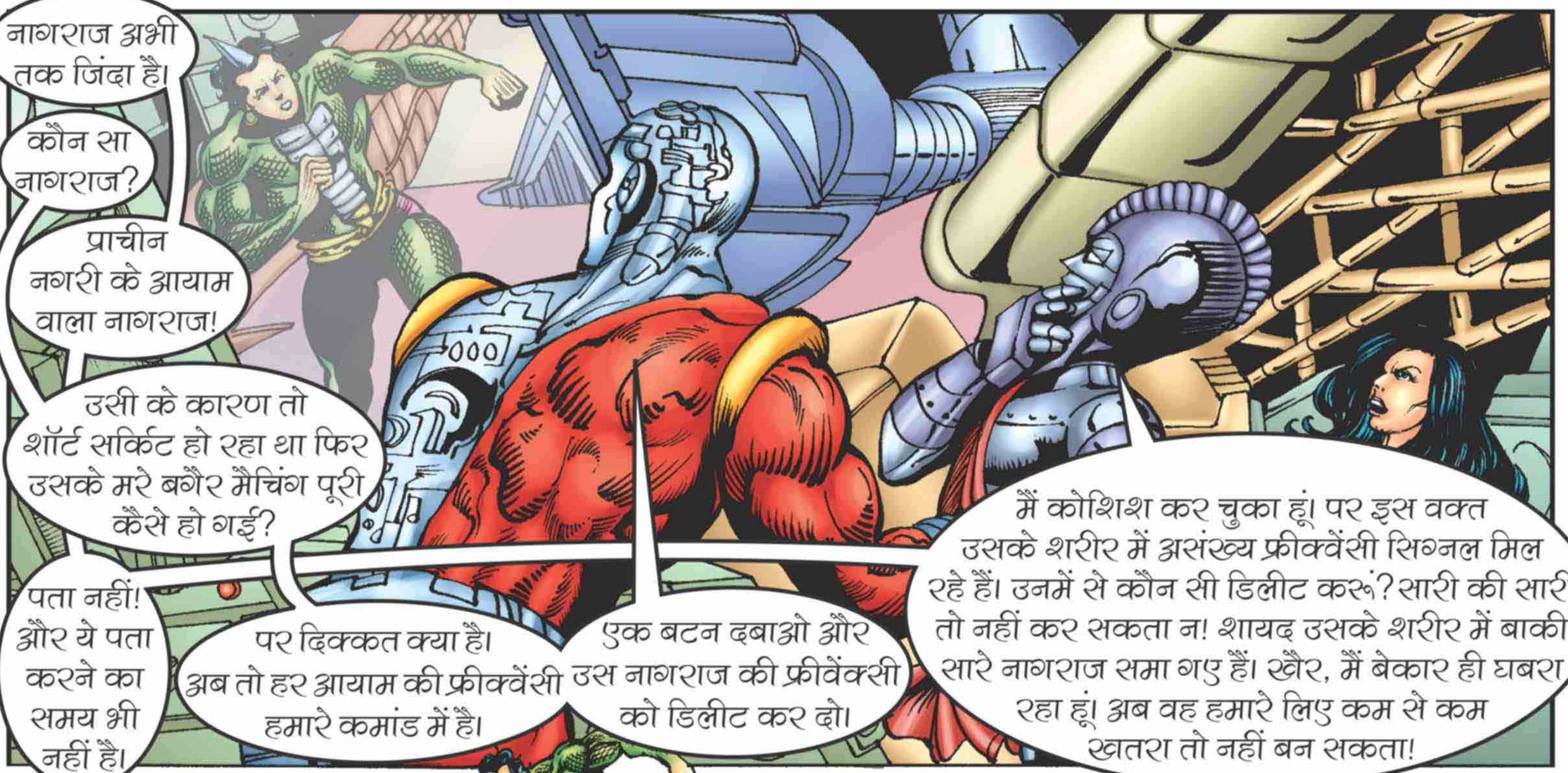
अब जब तक मैं ये काम पूरा नहीं कर लेता तब तक मैं वापस अपनी पृथ्वी पर नहीं जा सकता!

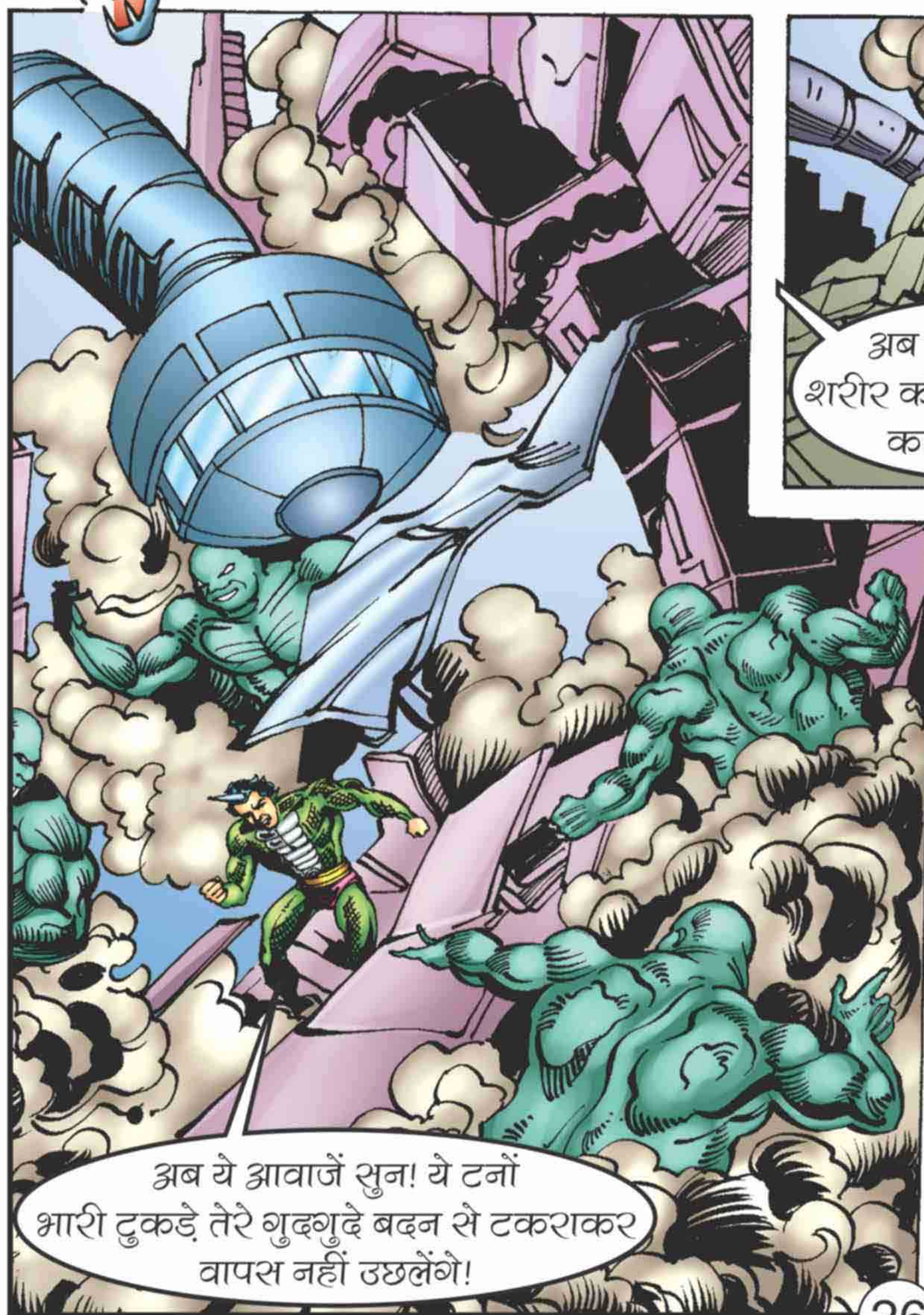
नागराज विवश था-

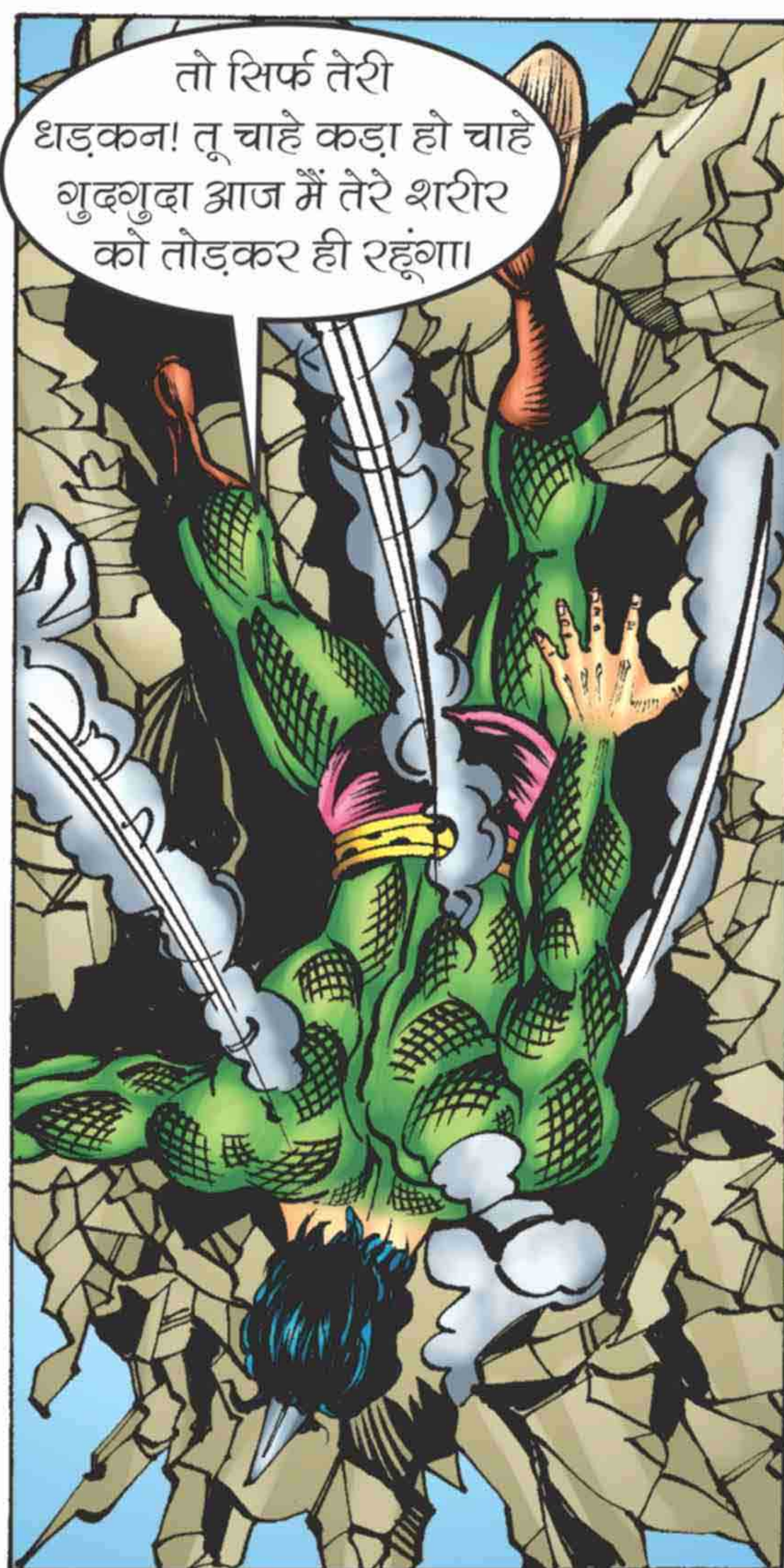












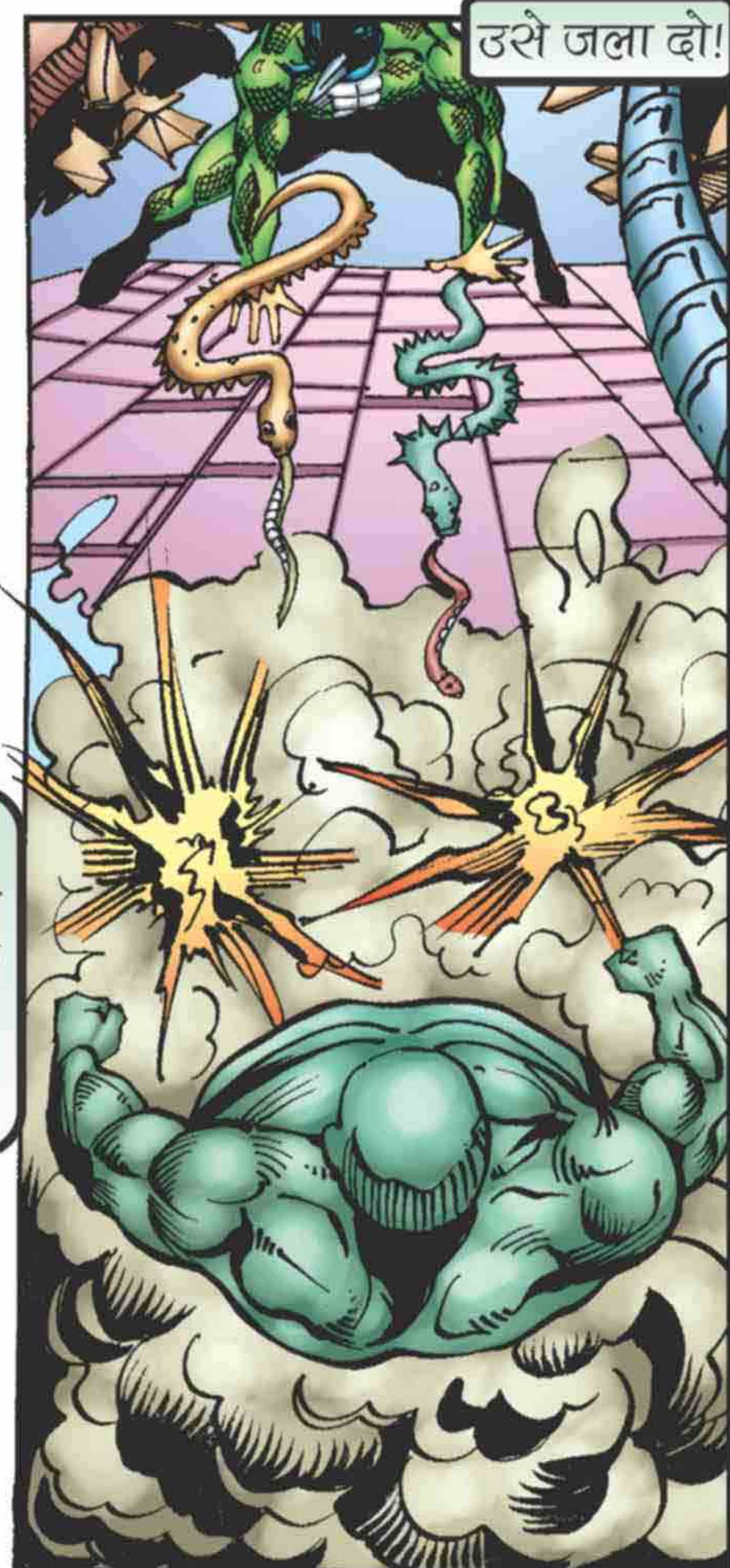


ये ऑक्सीजन के बादलों का प्रयोग कर रहा है जो लगभग हर चीज को ऑक्सिडाइज करके उसको क्षय करने की क्षमता रखते हैं। इस पृथ्वी के वातावरण में ऑक्सीजन ही नहीं है!!

अब मैं इस पर ध्यान दे रहा हूँ तो मुझे जानकारी मिल रही है कि इस पृथ्वी पर लिविंग मेटल के द्वारा जीवन की शुरुआत ही इसलिए हुई क्योंकि यहां पर ऑक्सीजन खत्म हो रही थी।



आज इस पृथ्वी के वासी ऑक्सीजन के बारे में जानते ही नहीं हैं। इसीलिए अब तक इससे निपटने का रास्ता भी नहीं तलाश पाए! वरना ऑक्सीजन को खत्म करने का तो एक सीधा सा तरीका है...



उसे जला दो!



मैं भी अगर इस वातावरण में बिना ऑक्सीजन के सांस ले पर रहा हूँ तो शायद इसलिए क्योंकि यहां वाला नागराज मेरे शरीर में समाया हुआ है!! और...अरे!

ये क्या?



क्योंकि मैं अपनी एक्टिव ऑक्सीजन को अपनी खास मेटल गैस के कवच में घेर कर रखता हूँ। और तेरे पिलपिले नाग उस मेटल गैस को भेद नहीं सकते।



ध्वंसक सर्प, ऑक्सीजन में आग नहीं लगा पाए!!

तू बच गया नागराज!! लगता है तू इस बार ज्यादा सयाना हो गया है। तूने मेरी कमजोरी ढूँढ ली है।

पर तू मेरी कमजोरी का फायदा नहीं उठा पाएगा!



सिर्फ मेटल सर्प उस कवच को भेद सकते हैं! पर उनको मेरी एक्टिव ऑक्सीजन पहुंचते ही गला डालेगी।















और इस जाल से जल्दी बाहर निकलने का उसके पास सिर्फ एक ही रास्ता था।

इस मुसीबत को जल्द से जल्द दूर करना!



अब सबसे पहले इन चट्टानों के उड़ने का रहस्य जानना होगा!

ओह! जैसे-जैसे मैं चट्टानों के बादल के अंदर जा रहा हूं, मेरा शरीर हल्का होता जा रहा है। जैसे मैं अंतरिक्ष में तैर रहा हूं।



ओह! यह क्या है। ये तो किसी किस्म की एंटी ग्रेविटी रेज लगती हैं जो इस यंत्र से निकल रही हैं। तो ये है बट्टान का राज!

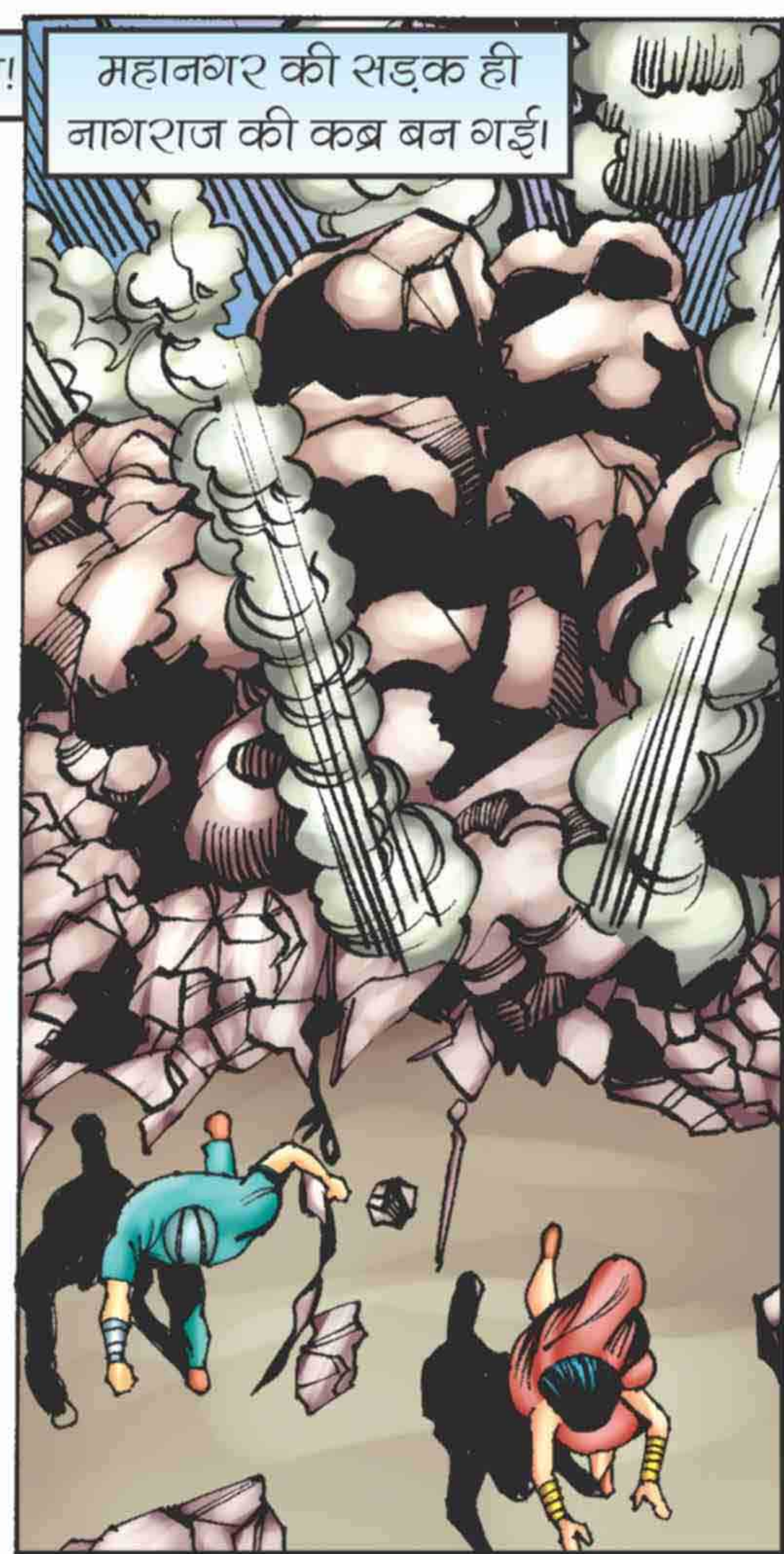
ओह! नागराज ने तो चट्टान में नागों का जेट इंजन लगा दिया। अब ये चट्टानें चाहे बट्टान गिराए पर गिरने की जगह तय करेगा नागराज!

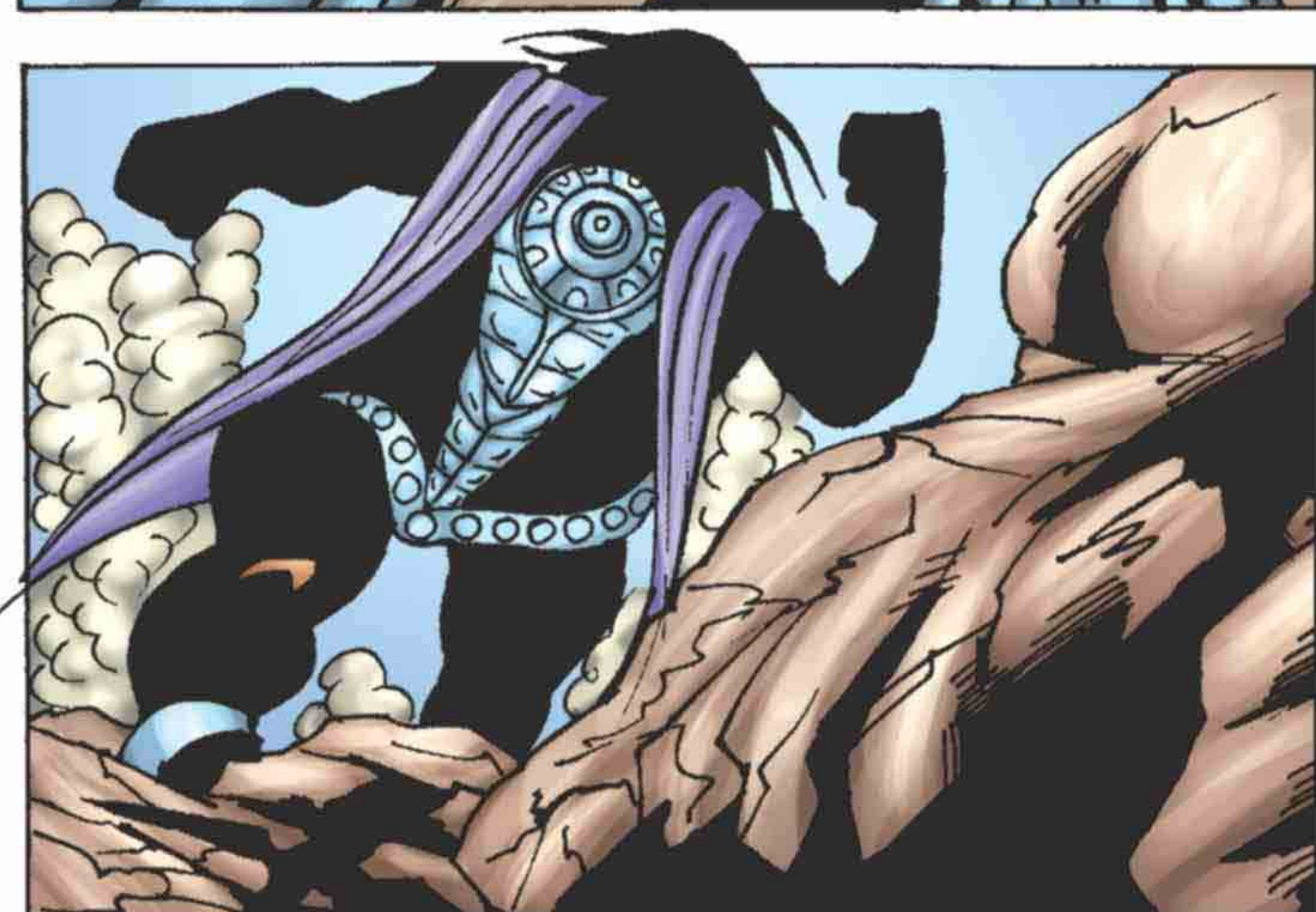
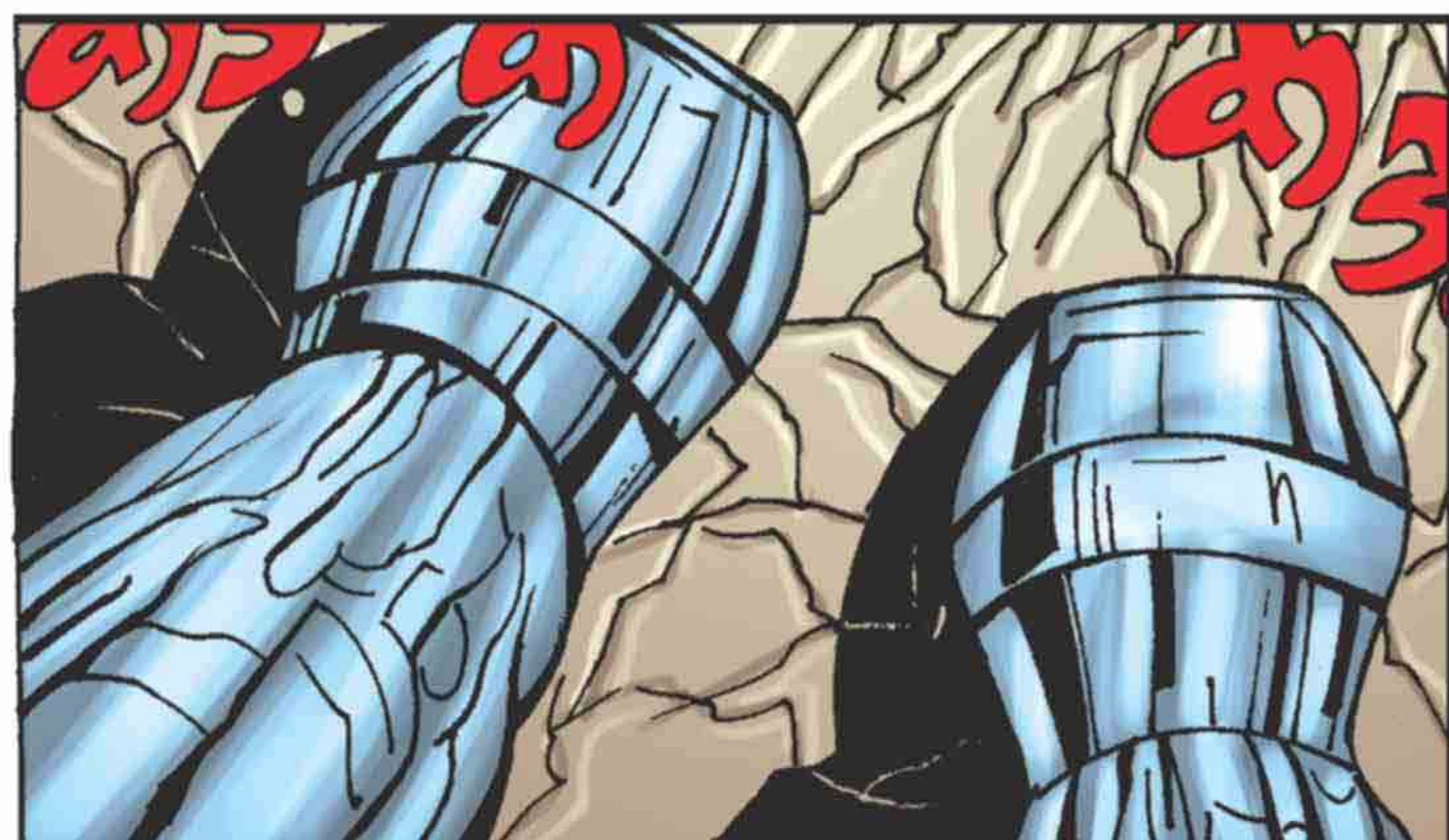


बट्टान कहीं दूर बैठकर इस एंटी ग्रेविटी डिवाइस को कंट्रोल कर रहा है।

वह जब चाहे तब किसी भी चट्टान का कनेक्शन काटकर उस चट्टान को नीचे गिरा देता है।

वेलकम नागराज! इस चट्टानी कब्रिस्तान में तुम्हारा स्वागत है!









वह सफल होती नजर नहीं आ रही थी।



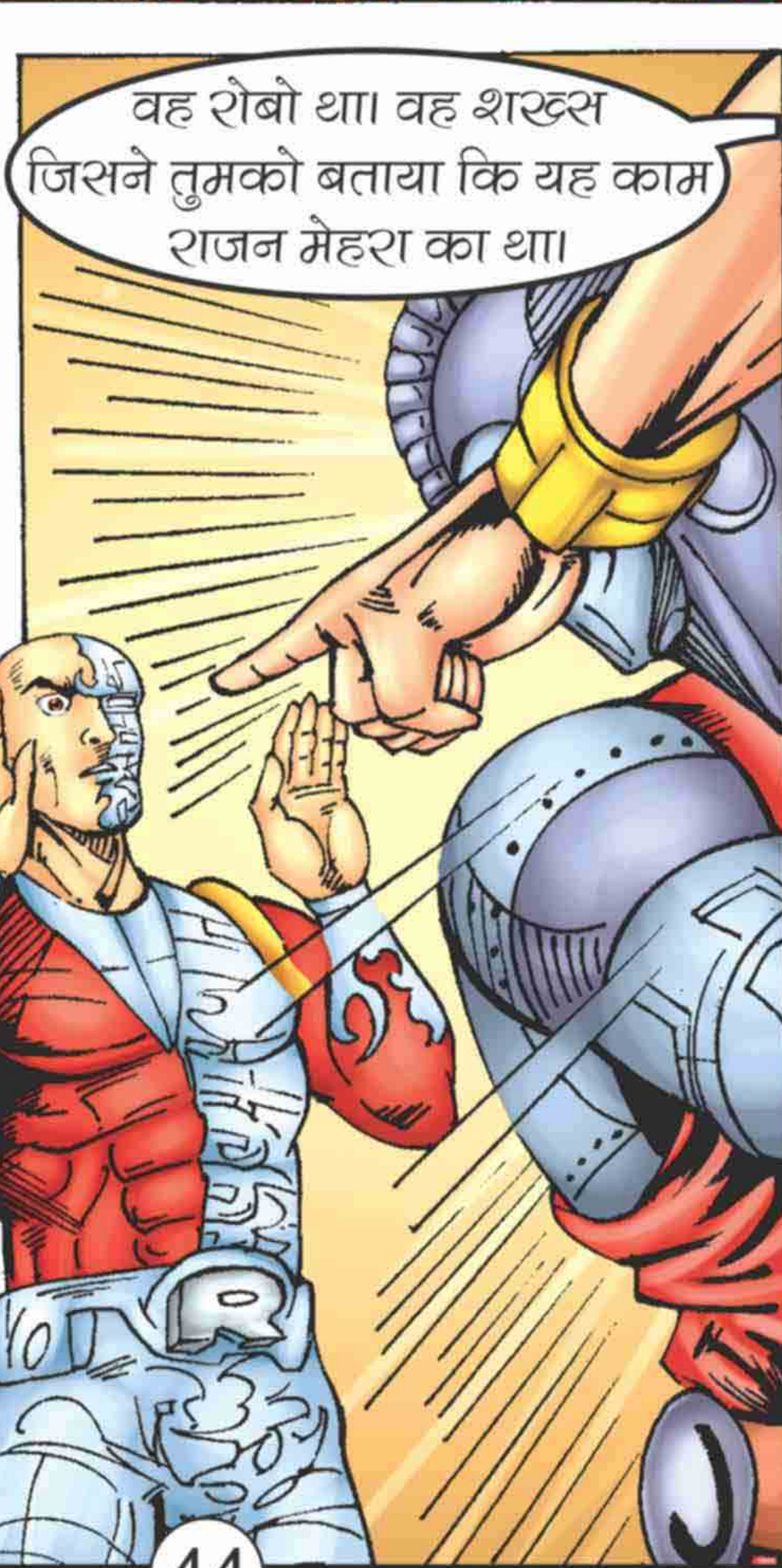
पर नागराज की जो भी योजना थी...

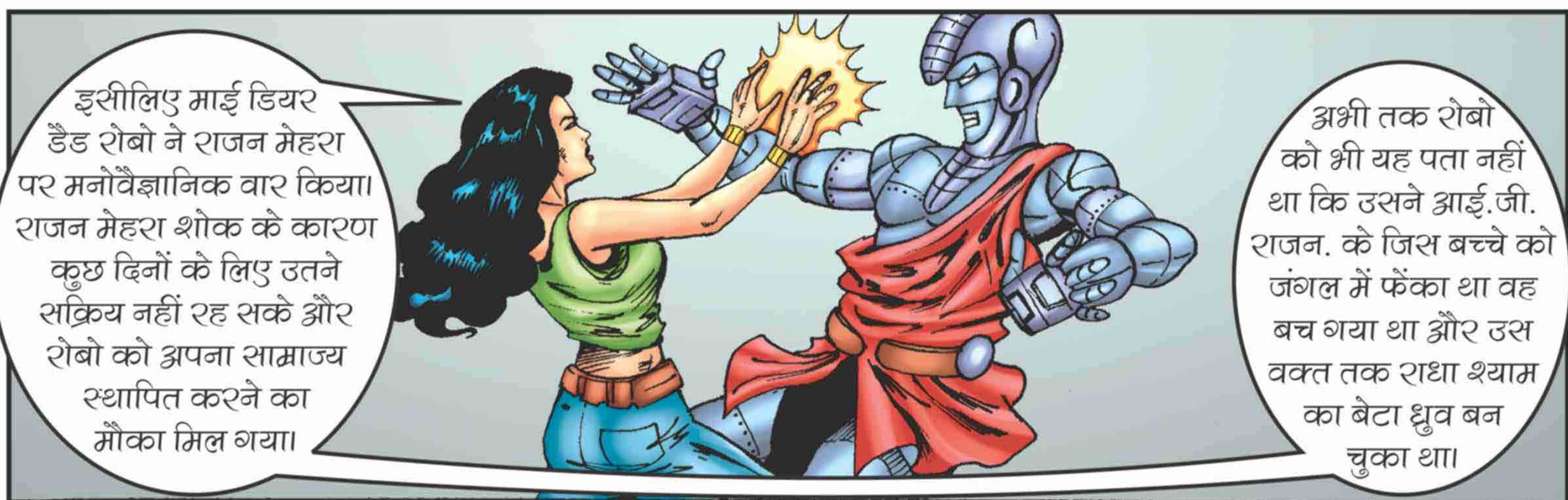






















जितना कि 'मैग्नेम ध्रुव'
का बच पाना या ध्रुव-
चंडिका का वापस अपनी
पृथ्वी पर आ पाना।

तुमने, मैग्नेम
को मार कर अच्छा नहीं किया,
ध्रुव! अब अगर नताशा को मैग्नेम
नहीं मिला तो ताशा को ध्रुव भी
नहीं मिलेगा।

ध्रुव की फ्रीक्वेंसी
बदलने से पहले तुमको मेरी
जान लेनी होगी

माई गॉड!

आह! इमोशनल
डॉयलाग से बड़ा फायदा
होता है चंडिका?

“बाजी को पलट सकें!”

आऊSSS!

डैड! ये लोग भाग
रहे हैं! पर भागकर जाएंगे
कहां? कोई भी वस्तु खुद छुप
सकती है पर अपनी फ्रीक्वेंसी
को नहीं छुपा सकती।

फायदा? टाइम
वेस्ट होता है!

वेस्ट नहीं
होता, मिलता है!!
ताकि हम...

उसकी फ्रीक्वेंसी मैच करने में समय
लगेगा। पर मेरे पास एक दूसरा
तरीका है।

“मैं दूसरे ध्रुव और उस चंडिका की फ्रीक्वेंसीज को आराम से पकड़ सकता हूं।”

“और उनको वापस वहीं पर भेज
सकता हूं जहां से वे आए हैं।”

“उस मौत की गार में जिसे
ब्लैक होल निगल रहा है।”

ये...ये
क्या हो रहा है,
चंडिका!!

“और इनका साथ छूटते ही ध्रुव और
ताशा भी कमजोर पड़ जाएंगे।”

ध्रुव की फ्रीक्वेंसी
को अभी मैग्नेम की पोशाक
प्रोटेक्ट कर रही है!

कोई फोर्स हमें
खींच रही है! और हमको खींचने
वाली फोर्स सिर्फ एक
ही हो सकती है!

“ब्लैक होल की फोर्स!”

ओह! समझा!
पहले इस ब्लैक होल
का कनेक्शन पुरानी नगरी
के साथ-साथ उस दूसरे
आयाम वाली पृथ्वी से भी
जुड़ा था और हम कंड्यूट
से होकर वहां जा
निकलें थे!!

पर अब ब्लैक
होल इतना बड़ा और
शक्तिशाली हो गया है कि
उसके ऐसे सारे कंड्यूट
सील हो चुके हैं।

पर...अब समझने का
क्या फायदा? हम इस ब्लैक होल
की महाशक्तिशाली शक्ति
से जीत नहीं सकते!

हमारा अंत ऐसे होगा,
यह तो कभी सोचा ही नहीं
था! आSSSह!

नागराज की
नागशक्ति!!

इस महाशक्ति से
तो सिर्फ एक ही महाशक्ति
लड़ सकती है...

पर वह अगर ऐसा
कर सकता तो अब तक
कर चुका होता आखिर
कहां पर है...

नागराज?

अरे! हम पर बढ़ता दबाव
कम हो रहा है। हमारी फ्रीक्वेंसी
नार्मल हो रही है यानि ब्लैक होल
कमजोर पड़ रहा है!

इसका मतलब
ब्लैक होल को चुनौती
दे डाली है।...

“नागराज ने!”

नागराज! तुम बिल्कुल हिन्दी फिल्मों के हीरो की तरह आए हो!! तुम थे कहां? बाकी नागराजों से लड़ने में व्यस्त हो गए थे?

वै तो न जाने कैसे, मेरे शरीर में समा गए थे! फिर मुझे उनमें से हर एक के आयाम में जाकर उसकी परेशानियां उनके ही रूप में सुलझानी पड़ी! न जाने ऐसी कितनी पृथ्वियों से होता हुआ मैं यहां पर आ सका हूं।

पर...इतनी पृथ्वियों पर जाकर उनकी समस्या सुलझाने में तो समय भी अनंत लगना चाहिए! उसके अनुसार तो तुम कुछ ही देर में वापस आ गए।

पहले तो मुझे भी यही चिंता खा रही थी! लेकिन दो तीन मुसीबतें हल करने के बाद मैंने ध्यान दिया कि मैं हर पृथ्वी पर उसी वक्त पर पहुंच रहा हूं जिस वक्त पर वहां का नागराज वहां से चला था!

स्पष्ट था कि हर आयाम पर या तो समय अलग-अलग था या मेरे लिए समय रुक गया था!

यह समझते ही मेरी यह चिंता दूर हो गई कि मैं अपनी पृथ्वी पर सही समय में पहुंच पाऊंगा या नहीं।

पर तुम लोग यहां कैसे आ गए?

लम्बी कहानी है। फिर कभी सुनना!



जो शक्ति सूर्य जैसे महाविशाल गोले को भी खींच कर मटर का दाना बना देती है उसके सामने तू सीना तान कर कैसे खाड़ा है। कौन है तू?

नागराज! और नागराज को दो ही चीजें दबा सकती हैं। ईश्वर या प्यार!

कोई विनाशकारी शक्ति नहीं।

ईश्वर को तो मैं जानता नहीं क्योंकि कभी देखा नहीं।

और न ही प्यार जैसी चीज का नाम सुना है।

मैं सिर्फ एक ही चीज जानता हूँ! हजम करना!! अणुओं के बीच में छिपी नाभिकीय ऊर्जा की भूख है मुझे। उसको खाकर मैं अणुओं को पिचका देता हूँ।

पर...तुम हो कौन?

ब्लैक होला वही जो तेरे चारों तरफ फैला हुआ है! और वही जो अब हमेशा के लिए तुझे अपने में घोलकर पी जाएगा।

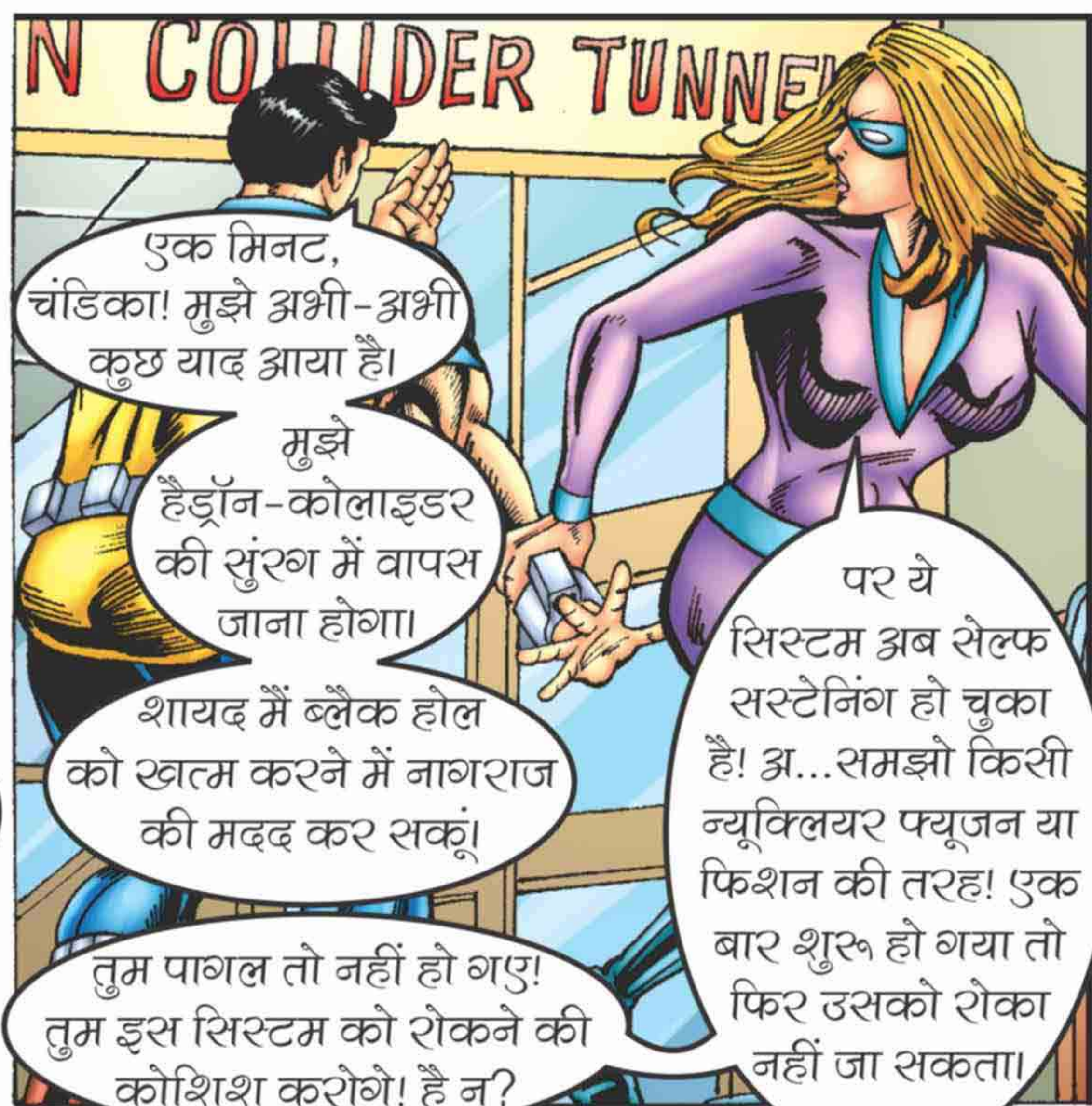
नागराज को हजम करना इतना आसान नहीं है।

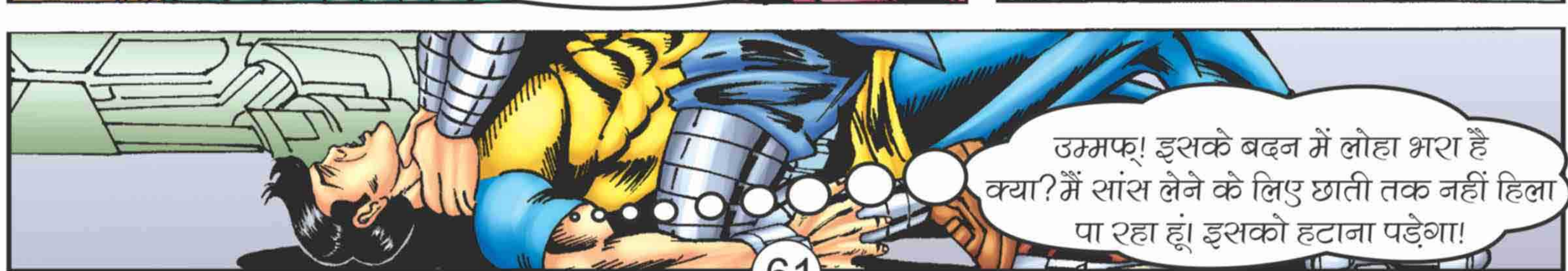


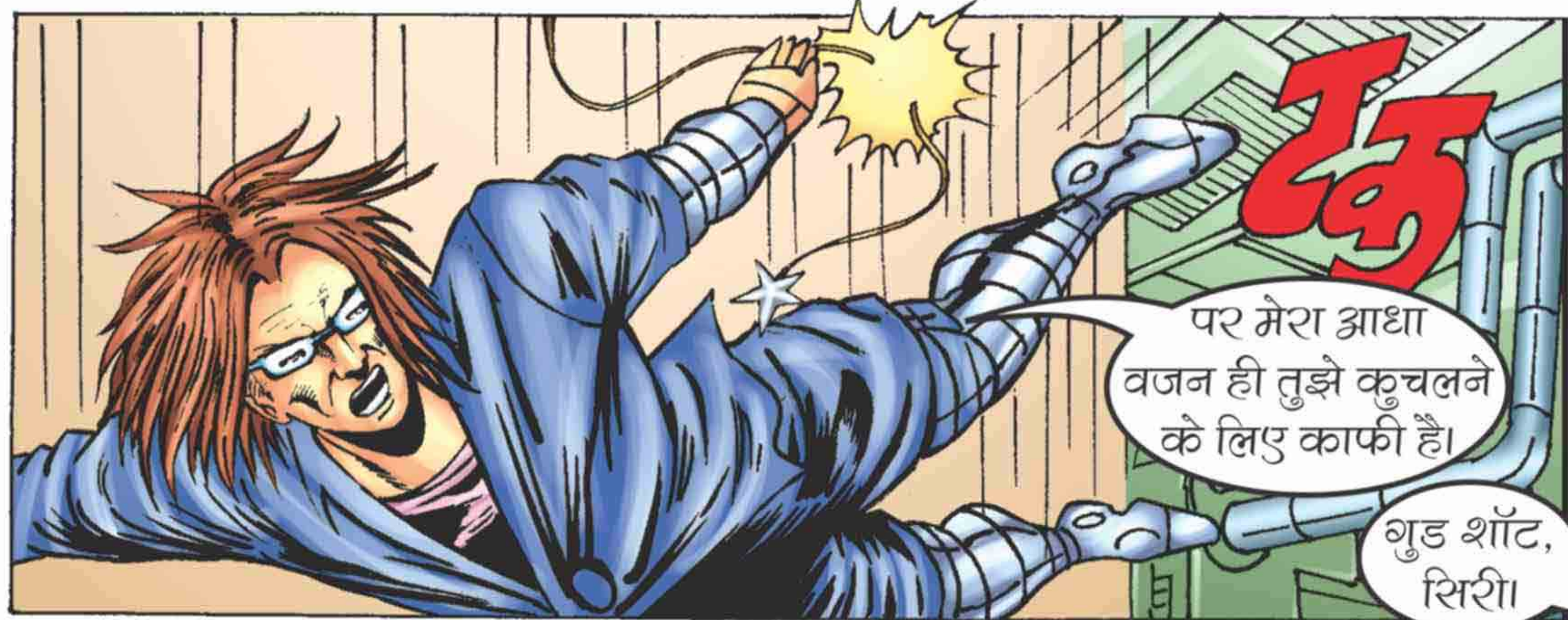
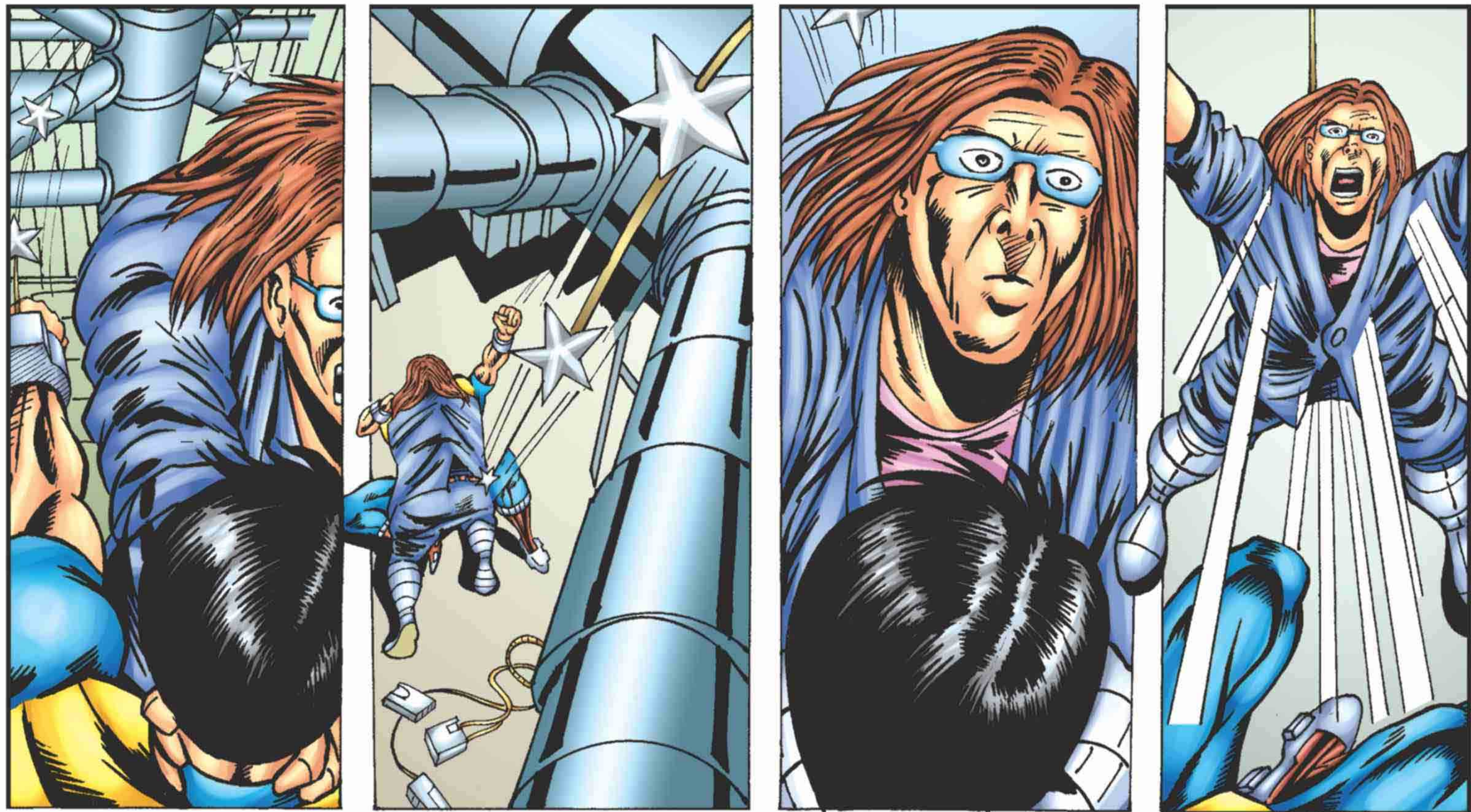


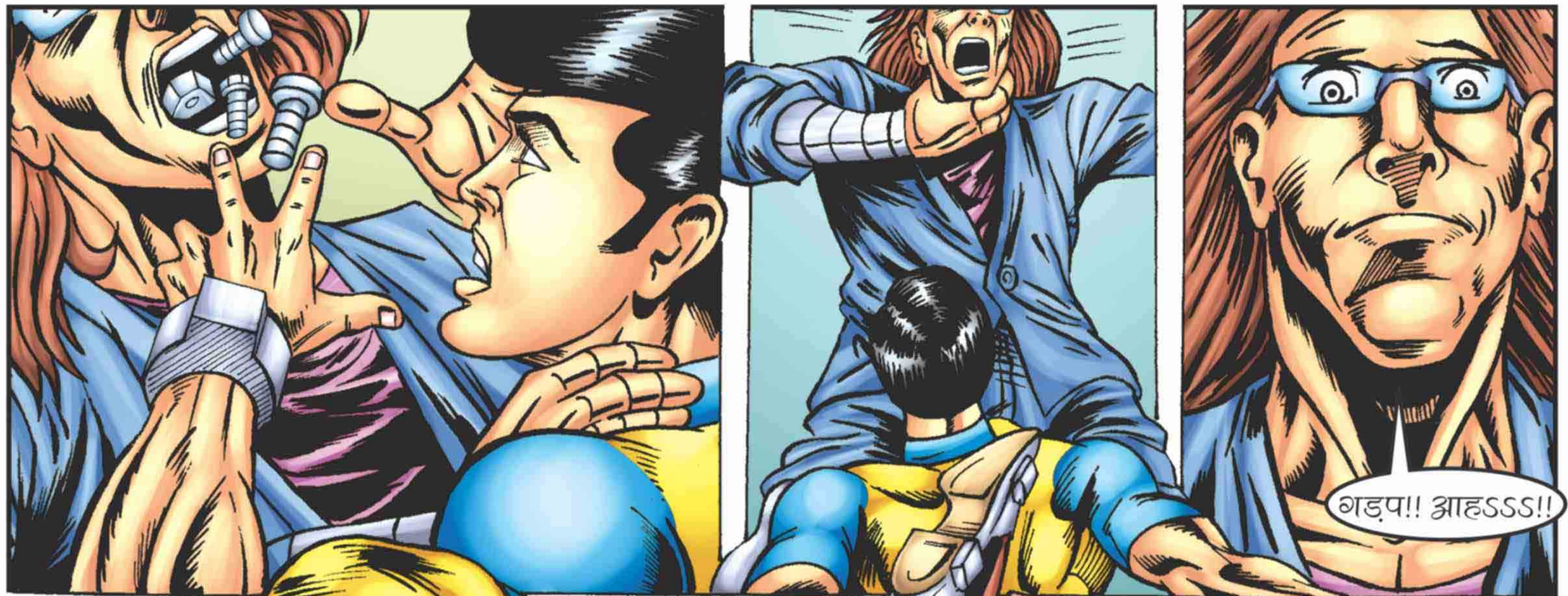
















और ऐसे छोटे मोटे प्रयासों से उसका कोई भला होने वाला नहीं था।

एक पृथ्वी पर मंडराता ब्लैक होल का खतरा इस खतरे के सामने छोटा ही प्रतीत हो रहा था।

ओह! ये जिस तेजी से नागराजों और विषों की ऊर्जा पी रहा है उससे इसकी ताकत बढ़ती जा रही है।

अभी तो मुकाबला बराबर का है पर ये जल्दी ही मुझ पर हावी हो जाएगा।

ब्रह्मांड का सबसे शक्तिशाली दबाव ब्रह्मांड की सबसे ठोस चीज पर जोर आजमा रहा था।

जीवन के लिए अणुओं का जटिल संयोजन आवश्यक है। और ब्लैक होल का दबाव जटिलतम संयोजन पैदा कर सकता है!

यह जीवन का एक अद्भुत और दुर्लभ रूप है। और इसके अणुओं के संयोजन को तोड़ पाना असंभव है।

सीधे शब्दों में कहो तो हम इसको यूं मार नहीं सकते!

दादा वेदाचार्य और साथ में तुम सब भी! सब यहां पर कैसे?

इसी की मेहरबानी से! बड़ी मुश्किल से हमारे तिलिस्मी कवच ने हमको बचाए रखा था! वैसे हमको तो सपने में भी आभास नहीं था कि ब्लैक होल के केंद्र में कोई ऐसा जीवन भी है।

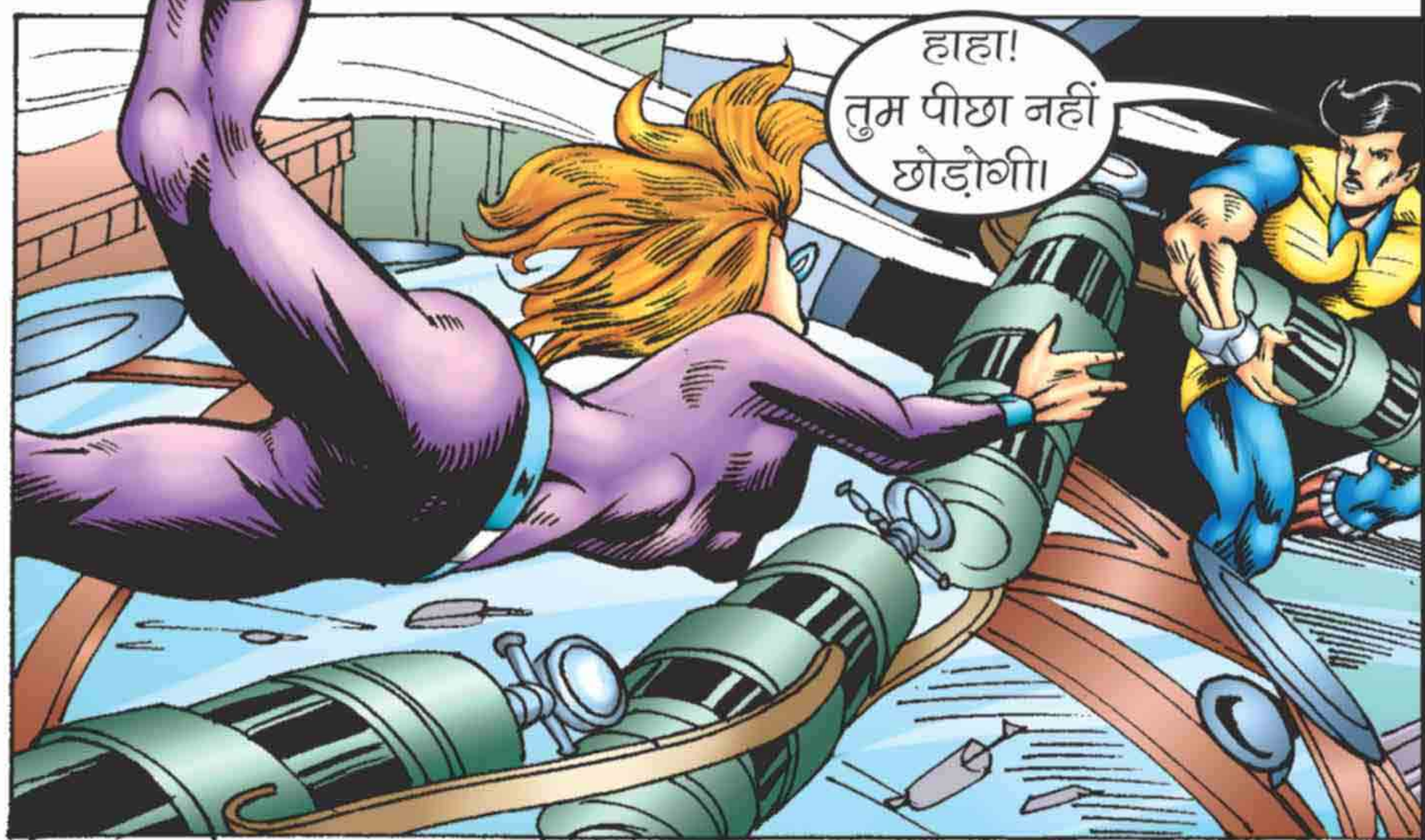
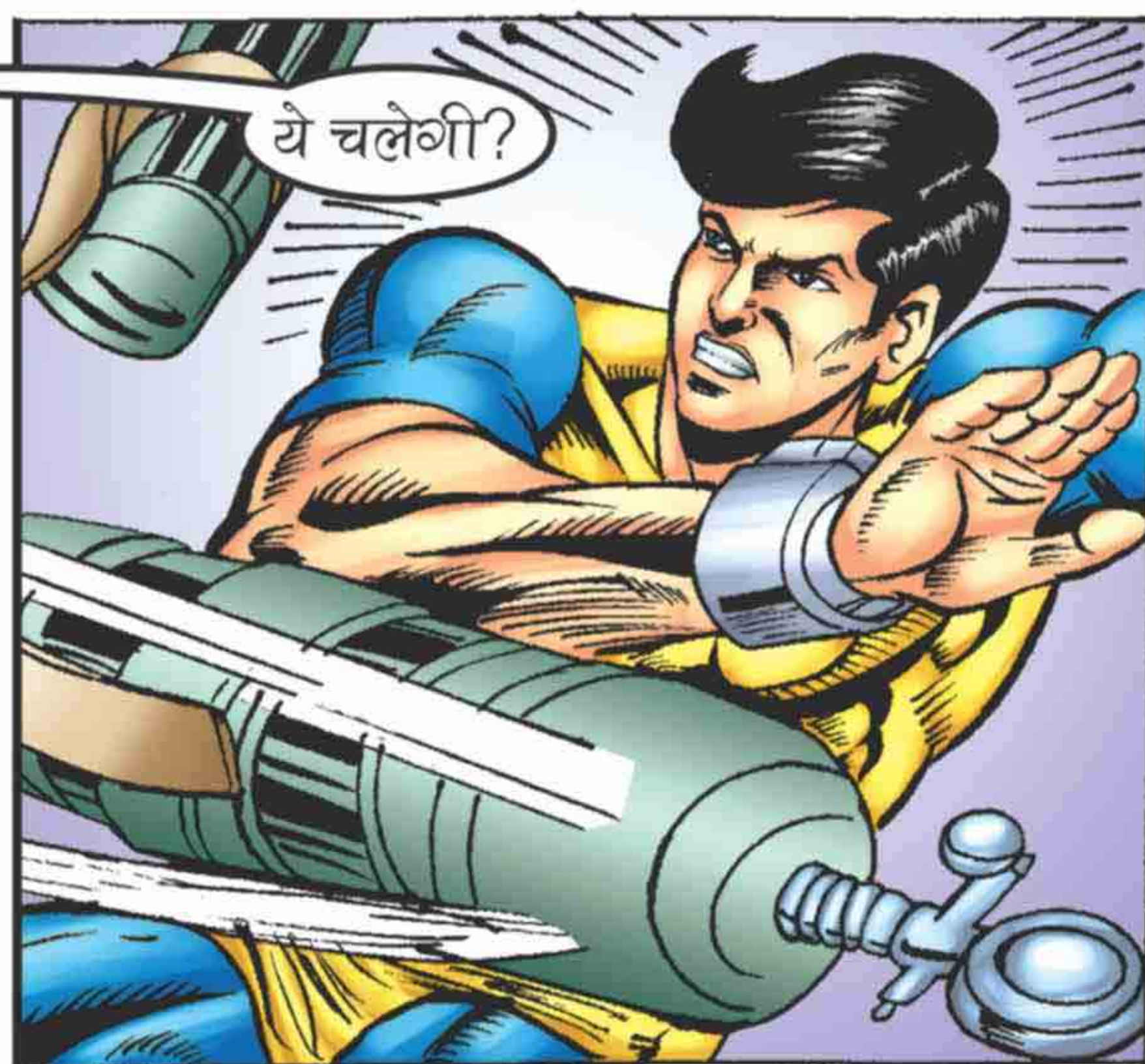
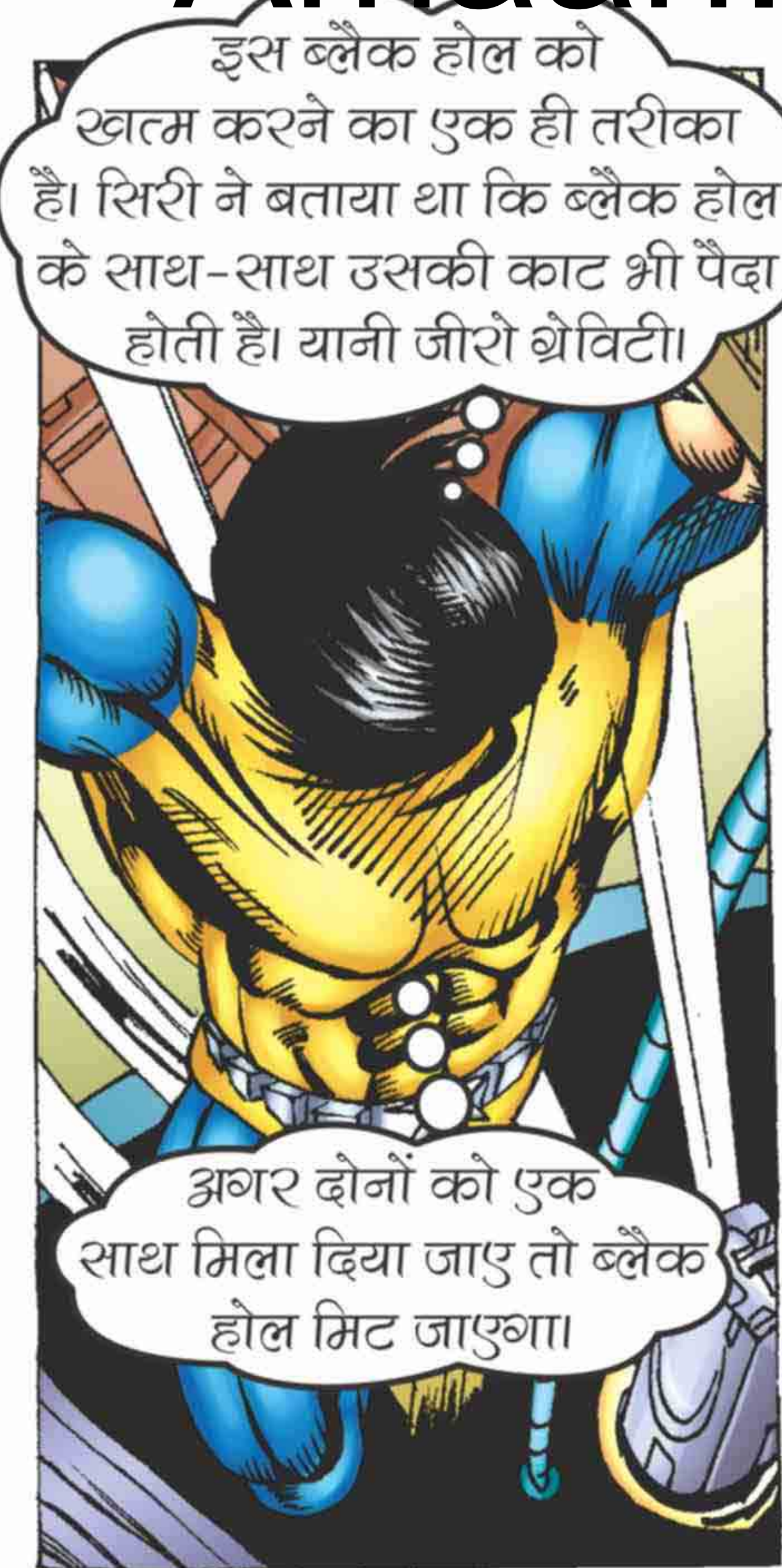
जीवन है तो मृत्यु भी जरूर होगी। तुम्हें इसको नष्ट करना ही होगा, नागराज! अतिरिक्त शक्ति तुमको हम देंगे।

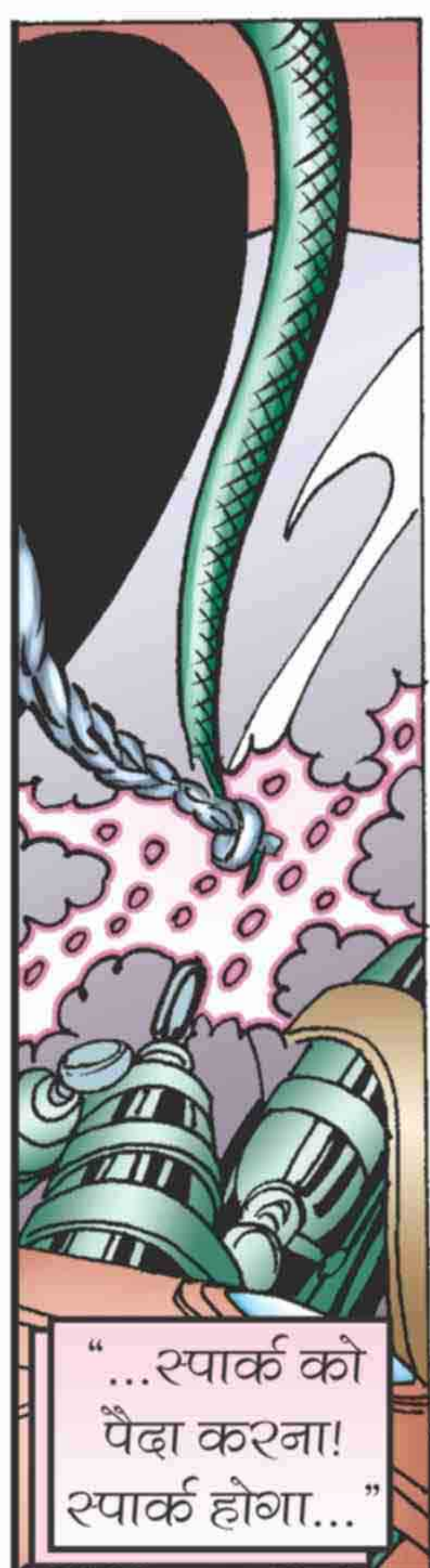
आऽऽऽह! ये धीरे-धीरे मुझ पर हावी हो रहा है! मुझे... थोड़ी अतिरिक्त शक्ति चाहिए! पर अतिरिक्त शक्ति मिलेगी कैसे?

ब्लैक होल के अंदर तो कोई और शक्ति जीवित रह ही नहीं सकती! इस ब्लैक होल के क्षेत्र में जीवन होना भी एक आश्चर्य की बात है।

नहीं है नागराज!

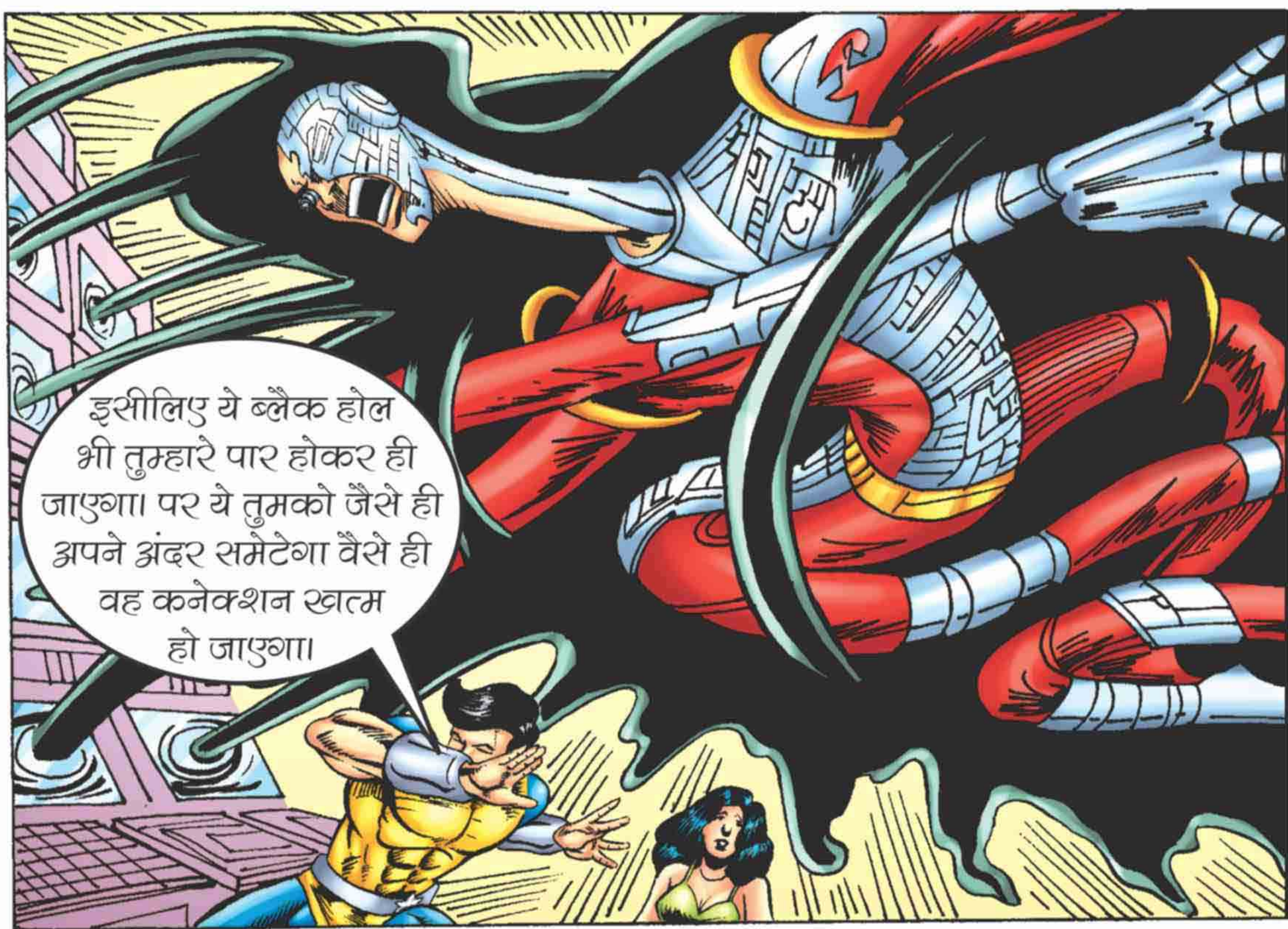




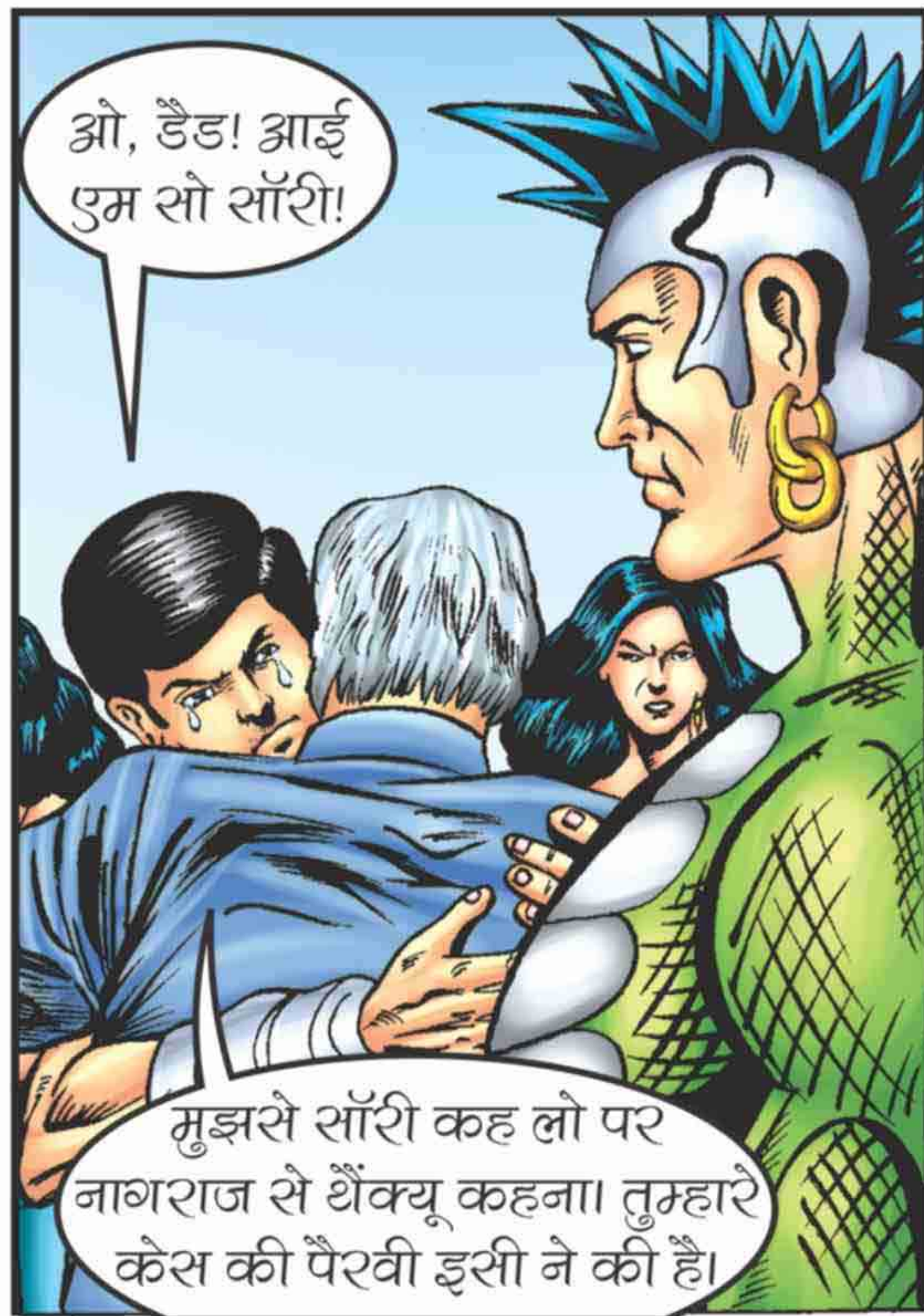












महानगर में ठप्प हो गया है जनजीवन। पानी की जगह लोग पी रहे हैं दूसरों का खून। फैल रहा है द्वेष और पनप रहा है गृह युद्ध। कारण है ट्रांसपोर्टर स्ट्राइक!

पर स्ट्राइक का कारण क्या है?



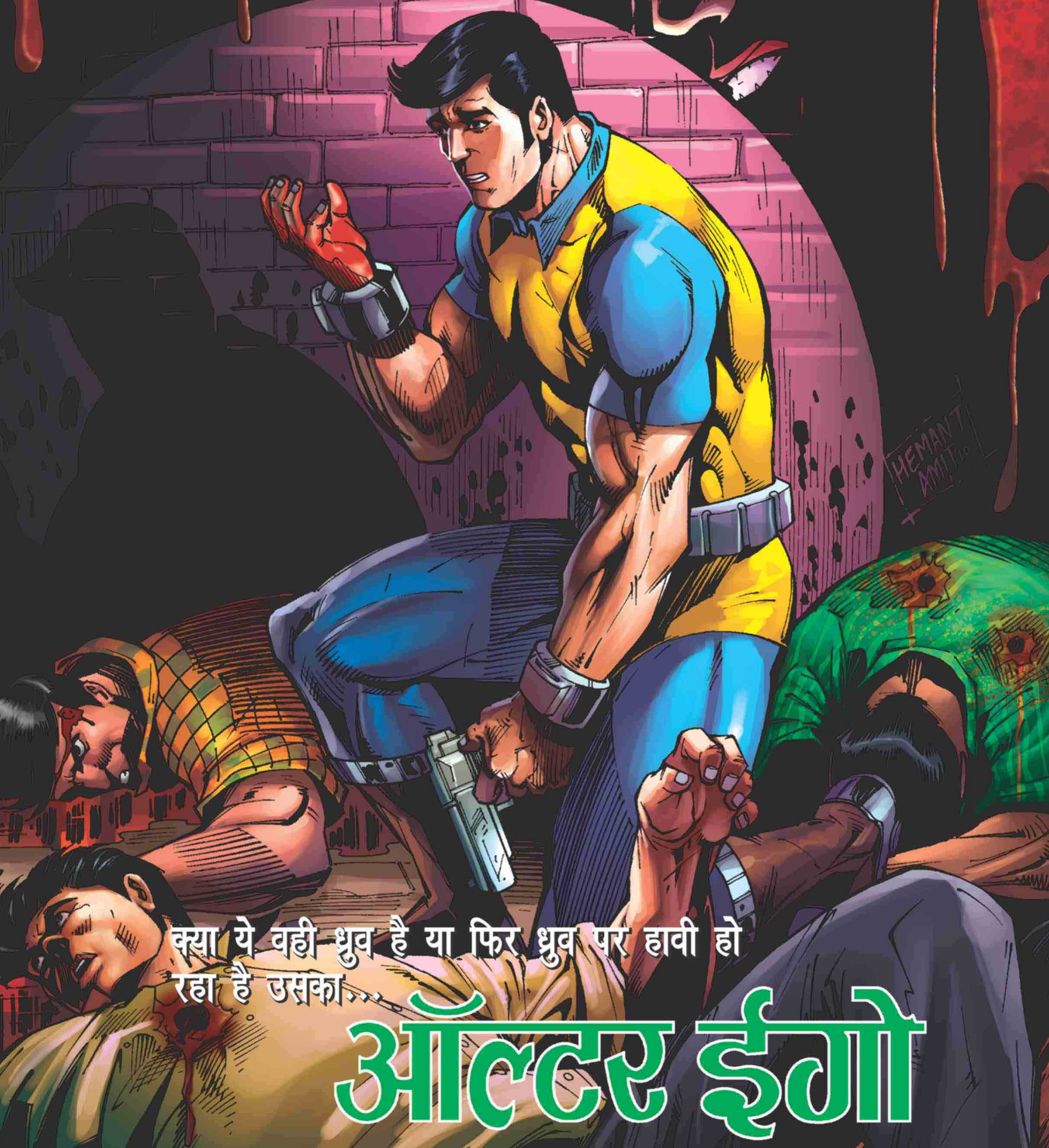
कारण है गहरा
और दांव पर हैं
दो करोड़ जिन्दगियां।
पर चिंता की
क्या बात है
कोई भी प्रलय
आए...

नागराज है ना

राज कॉमिक्स में नागराज का आगामी रोमांचक विशेषांक!

Amaan.cooldude18

कल तक जिसने इंसानी जान ना लेने की कसम खाई थी।
आज वही ध्रुव बेहिचक कर रहा है अपराधियों का खून।



क्या ये वही ध्रुव है या फिर ध्रुव पर हावी हो
रहा है उसका...

ऑल्टर ईगो